मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 110
शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आरजेडी का मतलब 'कट्टा, क्रूरता, कुशासन का जंगलराजः पीएम मोदी

मुजफ्फरपुर, 30 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुजफ्फरपुर में एक रैली के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर तीखा हमला बोला और उस पर बिहार को जंगल राज के युग में धकेलने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि राजद का शासन कट्टा (बंदूक), क्रूर (क्रूरता), कटुता (कड़वाहट), कुशासन (कुशासन) और भ्रष्टाचार से भरा रहा है। उन्होंने लोगों से ऐसी राजनीति को नकारने और आगामी विधानसभा चुनावों में विकास और स्थिरता का समर्थन करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस और राजद पर भी हमला बोलते हुए उन पर राजनीतिक लाभ के लिए छठी मैया का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने छठी मैया के बारे में विपक्ष की कथित टिप्पणियों पर सवाल उठाते हुए कहा, क्या कोई चुनाव में वोट के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार और देश की जनता ऐसा अपमान बर्दाश्त करेगी? उनकी टिप्पणी पर दर्शकों ने जोरदार तालियाँ बजाईं। इस त्योहार के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह त्योहार मानवता और भक्ति के उत्सव के रूप में वैश्विक मान्यता का हकदार है।

एक हल्के-फुल्के अंदाज में, प्रधानमंत्री मोदी ने मुजफ्फरपुर के

लोगों और वहाँ की उपज की प्रशंसा करते हुए कहा, यहाँ की लीची जितनी मीठी होती है, उतनी ही मीठी है यहाँ की बोली। भीड़ ने, खासकर महिलाओं और युवाओं की बड़ी संख्या ने, उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी। आगामी बिहार चुनावों में समर्थन का आह्वान करते हुए, उन्होंने अपने चिरपरिचित नारे फिर एक बार, एनडीए सरकार! के साथ मतदाताओं से आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने युवा पीढ़ी के बीच सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी छठ गीत प्रतियोगिता की घोषणा की। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि युवा छठ गीतों की समृद्ध विरासत से और गहराई से जुड़ें। ये भक्ति गीत इस त्योहार के मूल्यों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रतियोगिता में पूरे भारत के कलाकार शामिल होंगे, जिससे नई आवाजें, नए गीत और भक्ति की नई अभिव्यक्तियाँ उभरेंगी।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि आस्था और प्रकृति के इस पवित्र उत्सव को वैश्विक मंच पर उचित स्थान मिले। यह प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हम छठ महापर्व को यूनेस्को द्वारा मानवता को एकजुट करने वाले त्योहार के रूप में मान्यता दिलाने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, भारत माता की जय के नारों के बीच।

भारतीय महिला टीम ने लिखा इतिहास, रिकॉर्ड चेज कर वर्ल्ड कप फाइनल में बनाई जगह

मुंबई, 30 अक्टूबर। भारत ने मौजूदा महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर अकल्पनीय कर दिखाया। मेजबान टीम ने पूरे मैच में दबाव महसूस किया, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर की शानदार पारियों की बदौलत भारत ने महिला वनडे इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई ओपनर फोएबे लिचफील्ड ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। 22 वर्षीया खिलाड़ी ने 93 गेंदों में 119 रन बनाए, जिसमें अनुभवी ऑलराउंडर एलिस पेरी का भी अच्छा साथ रहा, जिन्होंने 77 रन बनाकर टीम को संभाला। दोनों ने 155 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारतीय गेंदबाजों पर भारी दबाव डाला। इन दोनों के आउट होने के बाद, एश्ले गार्डनर ने

पारी को संभाला और 45 गेंदों में 63 रन बनाए।गार्डनर ने अपनी पारी शुरू करने में कोई हड़बड़ी नहीं दिखाई, लेकिन एक बार लय पकड़ लेने के बाद, यह ऑलराउंडर बल्लेबाज बेहद मजबूत साबित हुई। उन्होंने चार चौके और चार छक्के लगाए, लेकिन अंत में किम गार्थ के साथ गलतफहमी के कारण वह आउट हो गईं। फिर भी, उनकी इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 338 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस बीच, भारत के लिए दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए, शेफाली वर्मा ने शुरूआत में कुछ साहस दिखाया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सकीं क्योंकि सलामी बल्लेबाज 10 रन बनाकर आउट हो गईं। स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन किम गार्थ की एक दुर्भाग्यपूर्ण गेंद पर वह 24 रन बनाकर आउट हो गईं। एक समय भारत 59/2 के स्कोर पर मुश्किल में था, लेकिन अब उम्मीद की किरण दिख रही थी।

जस्टिस सूर्यकांत बने देश के अगले मुख्य न्यायाधीश, 24 नवंबर से नई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत को भारत का अगला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया है। न्यायमूर्ति कांत 23 नवंबर को सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार ग्रहण करेंगे। वह देश के 53वें सीजेआई होंगे और 9 फरवरी, 2027 तक 15 महीने तक इस पद पर बने रहेंगे। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक पोस्ट में कहा कि भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 नवंबर, 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हुए प्रसन्न हैं। मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के हिसार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। वे उन पीठों का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर कई ऐतिहासिक फैसले दिए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत उस ऐतिहासिक पीठ का हिस्सा थे जिसने औपनिवेशिक काल के राजद्रोह कानून को स्थगित रखा था और निर्देश दिया था कि सरकार की समीक्षा तक इसके तहत कोई नई प्राथमिकी दर्ज न की जाए।

उन्होंने चुनाव आयोग से बिहार में 65 लाख बहिष्कृत मतदाताओं का विवरण सार्वजनिक करने का आग्रह किया, जिससे चुनावी पारदर्शिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन सहित बार एसोसिएशनों में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का निर्देश देकर भी इतिहास रचा।

मुंबई में शख्स ने 17 बच्चों को बनाया बंधक, पुलिस एनकाउंटर में मारा गया, सभी बच्चे सुरक्षित

मुंबई। सपनों का शहर माना जाने वाला मुंबई गुरुवार को 17 बच्चों के अपहरण से दहल उठा। मुंबई के पवई के पॉश इलाके में बेहद नाटकीय घटनाक्रम हुआ। पवई इलाके के एक आरए स्टूडियो में एक वेब सीरीज के लिए ऑडिशन आयोजित किया गया था। ऑडिशन पिछले छह दिनों से चल रहा था। आज सातवां दिन था। राज्य भर के अलग-अलग जगहों से 17 बच्चे आए थे। इन सभी बच्चों को ऑडिशन के लिए बुलाने वाले रोहित आर्य ने सभी बच्चों को बंधक बना लिया। हालांकि रोहित आर्य पुलिस के साथ एनकाउंटर में मारा गया।

यह घटना 30 अक्टूबर की दोपहर पवई में हुई थी। रोहित आर्य नाम के एक व्यक्ति ने आरए स्टूडियो में 17 बच्चों को बंधक बना लिया था। उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर बातचीत करने की इच्छा जताई थी। यह घटना यामी गौतम की फिल्म 'ए थर्सडे' से मिलती-जुलती है। इस फिल्म में यामी गौतम एक प्लेस्कूल टीचर हैं। लेकिन वह अचानक 16 बच्चों को बंधक बना लेती हैं क्योंकि वह प्रधानमंत्री से बात करना चाहती हैं। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक व्यक्ति अन्याय सहने के बाद सालों तक कष्ट सहता है। इस फिल्म में यामी ने नैना का किरदार निभाया है।

रोहित आर्या ने यह भी कहा कि वह सरकार के प्रशासन से परेशान हैं। वह पुणे के रहने वाले हैं और मुंबई के पवई इलाके में एक्टिंग क्लासेस और ऑडिशन में काम करते थे। सोशल मीडिया पर उन्हें फिल्म निमार्ता और मोटिवेशनल स्पीकर के तौर पर जाना जाता है। उनका 'अप्सरा' नाम से एक यूट्यूब चैनल है। वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थे और उनका आरोप था कि सरकार उनके साथ अन्याय कर रही है। रोहित आर्य कुछ दिन पहले भूख हड़ताल पर थे। उन्होंने शिक्षा विभाग के लिए एक प्रोजेक्ट बनाया था और उसके लिए लोन लिया

मौके पर पुलि बल के साथ कमांडो भी बुलाएं गए

था। स्वच्छता निगरानी अभियान नामक इस पहल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर पैसा खर्च किया था और सरकार ने उन्हें भुगतान नहीं किया, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ।

इस प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के दौरान वित्तीय मतभेद बढ़ गए। रोहित आर्य ने बताया था कि सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग 2 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। हालांकि बाद में शिक्षा विभाग ने केवल 5 प्रतिशत परामर्श शुल्क देने का फैसला किया और उन्हें इस बदलाव की पूर्व सूचना नहीं दी गई। इसलिए अन्याय का आरोप लगाते हुए रोहित आर्य ने आमरण अनशन शुरू कर दिया। उन्होंने 23 जुलाई 2024 से 3 अगस्त 2024 और 8 अगस्त 2024 से 4 सितंबर 2024 तक दो चरणों में अनशन किया। उस समय शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के आश्वासन पर रोहित ने अनशन स्थगित कर दिया था। हालांकि, दीपक ने अपना वादा नहीं निभाया। इसलिए, रोहित ने 4 अक्टूबर से फिर से अनशन किया।

इस बीच, 2 अक्टूबर 2024 को मंत्री दीपक केसरकर ने उनके नाम 7 लाख रुपये और 8.26 लाख रुपये के दो चेक जारी करके दो बिलों का भुगतान किया था। उन्होंने कहा था कि बाकी राशि 4 अक्टूबर तक चुका दी जाएगी। हालांकि, जब यह आश्वासन पूरा नहीं हुआ, तो रोहित ने फिर से आंदोलन का रास्ता अपनाया। 8 अक्टूबर को, जब वह मंत्री के घर के बाहर अनशन कर रहे थे, मालाबार हिल पुलिस उन्हें थाने ले गई। पुलिस उनके साथ शालीनता से पेश आई और शाम को उन्हें रिहा कर दिया गया। उसके बाद मंत्री, प्रमुख सचिव और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में एक बैठक हुई। इस बैठक में रोहित पर पीएलसी स्वच्छता मॉनिटर 2024-25 की रिपोर्ट पेश करने का दबाव डाला गया। हालांकि, यह परियोजना निजी थी, रोहित ने इसका विरोध किया।

रोहित आर्य ने आरोप लगाया कि परियोजना का प्रस्ताव उनकी सहमति के बिना बदल दिया गया और उन्हें बोलने का मौका भी नहीं दिया गया। रोहित ने आरोप लगाया कि मंत्री दीपक केसरकर ने कहा था कि तुम्हें कुछ नहीं पता, अपना वकील लेकर आओ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद रोहित ने कहा कि जब तक उनकी पांच मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। आगे इस पूरे मामले से तंग आकर रोहित आर्य ने फिल्मी अंदाज में पवई में बंधक का नाटक किया। जिसमें पुलिस मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई।

दिल्ली में धुंध और स्मॉग की चादर, वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर के करीब पहुंची

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी की ओर बढ़ रही है और बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 375 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर में धुंध और स्मॉग के कारण दृश्यता कम हो गई है। शहर में (पार्टिकुलेट मैटर) पीएम 2.5 का स्तर 184.4 और पीएम10 का स्तर 301.9 दर्ज किया गया है। शहर के कई इलाकों में एक्यूआई चिंताजनक स्तर पर दर्ज किया गया। विवेक विहार में एक्यूआई 426 था जबकि आनंद विहार में 415, अशोक विहार में 414, बवाना में 419 और सोनिया विहार में 406रहा जो गंभीर श्रेणी में आता है।

सीपीसीबी के आकड़ों के अनुसार 38 में से 37 निगरानी केंद्रों ने एक्यूआई 300 से अधिक दर्ज किया है जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई 357 दर्ज किया

गया जो एक दिन पहले 279 था। पर्यावरणविद विमलेंदु झा ने बताया कि सुबह के समय आसमान में पीले धुएं जैसी दिखाई देने वाली परत स्मॉग है। स्मॉग वास्तव में कोहरे और वायु प्रदूषण का मिश्रण है जिसके कारण दृश्यता कम हो जाती है। साथ ही यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है खासकर संवेदनशील वर्गों के लिए।

दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार शहर का वेंटिलेशन इंडेक्स 6,000 वर्ग मीटर प्रति सेकंड के अनुकूल स्तर से नीचे बना हुआ है। यह सूचकांक प्रदूषकों को फैलाने की वायुमंडलीय क्षमता को इंगित करता है। वेंटिलेशन इंडेक्स के अनुसार 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार की कमजोर हवाओं और घने कोहरे ने प्रदूषकों को छंटने से रोक दिया है, जिसके कारण आसमान में धुंध छा गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सुबह 7:30 बजे पालम में 1,000 मीटर और सफदरजंग में 800 मीटर की दृश्यता दर्ज की। दोनों ही स्थानों पर हवा शांत बनी रही। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है जबकि सुबह 8:30 बजे आर्द्रता 90 प्रतिशत दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिन में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबादी की संभावना जताई है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

मध्यप्रदेश के धार में बन रहे रेल पुल पर क्रेन गिरने से दो लोगों की मौत

धार। मध्यप्रदेश के धार जिले में बृहस्पतिवार को एक निमार्णाधीन रेलवे पुल पर काम कर रही क्रेन पलटकर एक ट्रक पर गिर गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। यह घटना जिला मुख्यालय से 48 किलोमीटर दूर, पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया के पास, सगौर कस्बे के पास हुई।पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि रेलवे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था और काम में लगी क्रेन अचानक पलटकर पास से गुजर रहे एक ट्रक पर गिर गई। उन्होंने बताया कि ट्रक में सवार दो लोगों की कुचलकर मौत हो गई।अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों के क्रेन के नीचे फंसे होने की भी आशंका है।

रेवड़ी संस्कृति : लोकतंत्र का आधार या प्रलोभन की डगर?

-ललित गर्ग

बिहार की राजनीति एक बार फिर चुनावी रंग में रंग चुकी है। हर चुनावी सभा में, गली-मोहल्ले से लेकर सोशल मीडिया तक मुफ्त रेवडियों की घोषणाओं और वादों की बाढ़ आई हुई है। यह चुनावी मौसम पहले की तरह इस बार भी ह्यरेवड़ी संस्कृतिह्न से सराबोर दिखाई देता है। महागठबंधन हो या एनडीए-दोनों गठबंधन एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में ऐसे-ऐसे वादे कर रहे हैं जो सुनने में आकर्षक लगते हैं, पर उनकी व्यवहारिकता और आर्थिक सम्भावना पर गंभीर प्रश्न उठते हैं। ये चुनावी वादें कैसे पूरे होंगे या जनता के साथ विश्वासघात होगा? हर दल मतदाताओं को लुभाने के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा रहा है, लेकिन शायद ही किसी ने यह सोचा हो कि इन लोकलुभावन योजनाओं के लिए फंड कहां से आएगा, कैसे उनकी पूर्ति होगी और क्या यह राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति पर और बोझ नहीं बनेगा।

बिहार का यह चुनाव इसलिए खास नहीं है क्योंकि इससे दो दशकों से राज्य का चेहरा रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भविष्य तय होना है-यह खास इसलिये है क्योंकि दोनों गठबंधनों की तरफ से एक जैसी राजनीति चल रही है-लोकलुभावन घोषणाओं की। महागठबंधन ने दो दिन पहले ह्यतेजस्वी -संकल्पह्न घोषित किया। कांग्रेस, आरजेडी और दूसरे सहयोगी दलों ने बीते दिनों में जो चुनावी वादे किए हैं, उन्हें ही इसमें शामिल किया गया है। दूसरी ओर एनडीए के वादों की लिस्ट भी बेहद लंबी है। शुरूआत में नीतीश सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये, 125 यूनिट फ्री बिजली, एक करोड़ नौकरियों का वादा, महिलाओं को नौकरी में आरक्षण, बढ़ी पेंशन-नीतीश ने चुनावी अभियान इस तरह शुरू किया। महागठबंधन ने जवाब में 200 यूनिट फ्री बिजली, हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार, और भी बहुत कुछ देने का वादा किया है। दोनों की गठबंधन की आसमानी घोषणाएं लुभा रही है, जनता को गुमराह कर रही है, सीधे-सीधे रूप में यह वोटों को खरीदने की साजिश है। नीति आयोग के आंकड़े बताते हैं कि देश की जनसंख्या में बिहार का हिस्सा 9 प्रतिशत से ज्यादा है, पर जीडीपी में योगदान 2021-22 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया। बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश की औसत प्रति व्यक्ति आय का केवल 30 प्रतिशत है, जबकि बेरोजगारी ज्यादा है। 2022-23 में राज्य की जीडीपी की तुलना में ऋण का अनुपात 39.6 प्रतिशत था।

बिहार के सामने सबसे बड़ी समस्या है आय के साधन जुटाने की। कुल कमाई में उसका अपना टैक्स रेवेन्यू केवल 23 प्रतिशत है और केंद्र की तरफ से अनुदान का हिस्सा 21 प्रतिशत। जन सुराज का दावा है कि मुफ्त की योजनाओं को पूरा करने के लिए 33 हजार करोड़ रुपये चाहिए होंगे। इस आंकड़े को सच मान लें तो राज्य के कुल बजट में से रोजमर्रा के कामकाज व योजनाओं का खर्च निकालने के बाद करीब 40 हजार करोड़ रुपये बचते हैं। क्या मुफ्त रेवड़ियों की घोषणाओं के वादा इससे पूरे होंगे? एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि हकीकत में दोनों को बताना चाहिए कि वे किस तरह इन वादों को पूरा करेंगे। बेरोजगारों को भत्ता, महिलाओं को नकद सहायता, युवाओं को लैपटॉप, किसानों के लिए ऋणमाफी-इन घोषणाओं की बाढ़ ने लोकतंत्र को मजबूती देने के बजाय उसे लोकलुभावन जाल में फंसा दिया है। यह स्थिति केवल बिहार की नहीं, पूरे देश की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति के रूप में उभर रही है, जहां सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता जनता की विवेकशीलता से नहीं, बल्कि प्रलोभनों की मिठास से तय किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं, क्योंकि यह मतदाता को उपभोक्ता में बदल देती है और राजनीति को नीति से भटकाकर लाभ की मंडी में फंसा देती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कही गई ह्यरेवड़ी संस्कृतिह्न की अवधारणा आज बिहार की राजनीति में पूर्णरूपेण साकार होती दिख रही है। मुफ्त बिजली, राशन, यात्रा या सहायता योजनाएं अब चुनावी घोषणाओं की अनिवार्य शर्त बन गई हैं। जनकल्याण का उद्देश्य पीछे छूट गया है, सामने है तो केवल वोटों की गिनती। इन घोषणाओं के माध्यम से मतदाता को प्रभावित करना एक तरह का सॉफ्ट करप्शन है, जहां खरीदी खुलकर नहीं होती, पर मानसिक रूप से मतदाता को बंधक बना लिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है, क्योंकि यह नीतियों और सिद्धांतों को कमजोर करती है और राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का खेल बना देती है। लोकतंत्र तभी सशक्त होगा जब चुनाव नैतिक और नीति-सम्मत हों। चुनाव का अर्थ केवल जीत और हार नहीं, बल्कि समाज के चरित्र और दिशा का निर्धारण है। नैतिक राजनीति वही है जिसमें जनहित को सर्वोपरि माना जाए, न कि तत्कालिक लाभ को। यदि राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में केवल आकर्षक वादे ही भरते जाएं और उनके पीछे कोई आर्थिक या सामाजिक दृष्टि न हो, तो यह लोकतंत्र की आत्मा के साथ खिलवाड़ है। मतदाता को चाहिए कि वह ऐसी घोषणाओं से प्रभावित न हो, बल्कि यह देखे कि कौन-सी पार्टी या नेता दीर्घकालिक सुधार, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन की बात कर रहा है। लोकतंत्र उपहार नहीं, उत्तरदायित्व है, इसे समझना और निभाना नागरिक का धर्म है।

वोट किसी के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की स्थिरता, सुशासन और सच्चे विकास के लिए दिया जाना चाहिए। मतदाता का विवेक ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। अगर जनता भावनाओं या लालच में निर्णय लेगी, तो राजनीति और शासन दोनों भ्रष्ट हो जाएंगे। इसी तरह दलों को भी आत्मसंयम रखना चाहिए और यह समझना चाहिए कि सत्ता की प्राप्ति साधन नहीं, सेवा का अवसर है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि चुनावी घोषणाओं पर एक नियंत्रण तंत्र बने, चुनाव आयोग और नीति आयोग मिलकर इस पर नियम तय करें कि कोई भी दल अपने घोषणापत्र में ऐसे वादे न करे जिनका कोई आर्थिक आधार न हो। मीडिया को भी केवल वादों को प्रचारित करने में नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। जनता के बीच मतदाता शिक्षण अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोग यह समझ सकें कि वोट किसी प्रलोभन का प्रत्युत्तर नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है।

वैसे तो दोनों ही गठबंधन एक-दूसरे की घोषणाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। भाजपा-जद(यू) गठबंधन तेजस्वी की छवि को एक गैर जिम्मेदार सपने बेचने वाले नेता के रूप में गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है कि जब तक वादों को ठोस नीति में नहीं बदला जाएगा, वे केवल भाषणों की सजावट बने रहेंगे। महागठबंधन को चाहिए कि वह अपने घोषणापत्र को भावनात्मक अपील की बजाय आर्थिक व्यवहार्यता के साथ तैयार करे। यही राजनीति जनता में भरोसा जगाएगी और विपक्ष के हमलों को कमजोर करेगी। तेजस्वी यादव का करिश्मा, संवाद शैली और युवाओं से जुड़ाव उन्हें बिहार की राजनीति में एक बड़ा चेहरा बनाते हैं लेकिन उनकी पूरी चुनावी राजनीति धुआंधार वादों के इर्द-गिर्द घूम रही है। राजनीति में कोई वादा तब ताकत बनता है जब उसमें विश्वसनीयता, यथार्थता और क्रियान्वयन की संभावना हो।

लोकतंत्र की पवित्रता तभी बचेगी जब राजनीति नीति से संचालित होगी, जब सत्ता सेवा का माध्यम बनेगी और जब मतदाता अपने विवेक से निर्णय लेगा। बिहार जैसे प्रबुद्ध राज्य को चाहिए कि वह रेवड़ी संस्कृति से ऊपर उठकर विकास, रोजगार, शिक्षा, नैतिकता और सुशासन पर आधारित राजनीति का चयन करे। तभी लोकतंत्र अपने वास्तविक अर्थ में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सकेंगी-ह्यहमने वोट से अपना भविष्य खरीदा नहीं, बनाया है।

राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे सरदार पटेल

-रमेश सर्राफ धमोरा

31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें 'लौह पुरुष' भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया। विश्व के इतिहास में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो।देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षो में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निमार्ता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

समावेशी राष्ट्रवाद की अवधारणा, विसंगतियों को अवसर में बदलने की प्रक्रिया

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद भारत ने औद्योगिक, कृषि, शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, किंतु सामाजिक विषमताओं का गहरा साया आज भी देश की आर्थिक प्रगति की गति को रोक रहा है। स्वतंत्र भारत के सामने सामाजिक और आर्थिक असमानता सबसे गंभीर समस्या बनकर खड़ी हुई है। जिस देश में जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के आधार पर समाज विभाजित हो, वहां आर्थिक विकास का संतुलित प्रवाह बनाए रखना अत्यंत कठिन हो जाता है।भारतीय समाज में विविधता हमारी सांस्कृतिक पहचान तो है, किंतु यही विविधता जब विषमता में बदल जाती है, तो विकास के मार्ग में बाधा उत्पन्न करती है। स्वतंत्रता पूर्व काल में सामाजिक विषमताओं ने दासता की जंजीरों को और मजबूत किया, वहीं स्वतंत्रता के पश्चात भी इन विषमताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अनेक स्तरों पर कमजोर किया है। आज जातिगत संघर्ष, क्षेत्रीय असंतुलन, धार्मिक विभाजन और भाषाई विवाद हमारे समाज के लिए गंभीर चुनौतियां बन चुके हैं।

राजनीति ने इन विषमताओं को सुलझाने के बजाय अक्सर इन्हें भुनाया है। जातीय समीकरण और वर्गीय विभाजन सत्ता तक पहुंचने के साधन बन गए हैं। उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यही सामाजिक असंतुलन आर्थिक असमानता को जन्म देता है, जो आगे चलकर नक्सलवाद, बेरोजगारी और अपराध जैसे रूपों में फूट पड़ता है। भारत में न केवल जातिगत बल्कि धार्मिक विभाजन भी गहरी जड़ें जमा चुका है। मंदिर-मस्जिद के विवादों ने देश के सामाजिक सौहार्द को बार-बार चोट पहुंचाई है। सांप्रदायिकता के कारण समाज में अविश्वास और असुरक्षा की भावना बढ़ती गई है, जिससे निवेश और विकास का माहौल भी प्रभावित होता है। पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने भी यह स्वीकार किया है कि भारत के आर्थिक विकास में जाति और धर्म आधारित असमानताएं सबसे बड़ी रुकावट हैं, क्योंकि इनकी जड़ें इतिहास में बहुत गहराई तक फैली हुई हैं।भाषाई विवाद भी इस समस्या का एक संवेदनशील पहलू है। स्वतंत्रता के बाद हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने पर दक्षिण भारत के राज्यों में भारी विरोध हुआ। आज भी बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उड़ीसा जैसे राज्यों में भाषाई पहचान को लेकर तनाव समय-समय पर उभरते रहते हैं। यह स्थिति न केवल सांस्कृतिक बल्कि आर्थिक एकता को भी प्रभावित करती है।संविधान निमार्ताओं ने इन विषमताओं को ध्यान में रखते हुए समानता, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के सिद्धांतों को भारत के संविधान की आत्मा में शामिल किया। पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से सरकार ने वर्गविहीन समाज की परिकल्पना की थी, जहाँ आर्थिक अवसर सभी के लिए समान हों। परंतु स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी वर्ग, जाति, भाषा और धर्म के नाम पर विभाजन की रेखाएं समाज में स्पष्ट दिखती हैं।

भारत के आर्थिक विकास की सच्ची अवधारणा तभी संभव है जब सामाजिक समानता को प्राथमिकता दी जाए। पिछड़े वर्ग, दलित, आदिवासी और गरीब तबके को विकास की मुख्यधारा में जोड़ना सबसे आवश्यक कार्य है। यदि ये वर्ग आर्थिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनते हैं, तो गरीबी, भूखमरी और नक्सलवाद जैसी समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएंगी' भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि मानसिक एकता से संभव है। हमें समावेशी राष्ट्रवादह्न की अवधारणा को अपनाना होगा – जिसमें हर नागरिक खुद को राष्ट्र की प्रगति का सहभागी माने। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आर्थिक राष्ट्रवाद को एक सूत्र में पिरोकर ही हम एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं।आज भी देश में गरीबी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, भाषावाद और सांप्रदायिकता जैसी विसंगतियां ब्रिटिश शासन काल की तरह समाज को भीतर से कमजोर कर रही हैं। यह स्थिति बताती है कि अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है। आर्थिक नीतियों के साथ-साथ सामाजिक सुधार भी आवश्यक हैं।राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए यह अनिवार्य है कि समाज के हर वर्ग में समान अवसर, समान सम्मान और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जब तक समाज में समानता का वातावरण नहीं बनेगा, तब तक आर्थिक प्रगति केवल आंकड़ों तक सीमित रहेगी, वास्तविक जीवन में नहीं उतरेगी।

अब समय आ गया है कि हम अपने मतभेदों को भुलाकर ह्यराष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखें। यदि हर नागरिक अपनी सामाजिक पहचान से ऊपर उठकर भारतीयता को अपनाए, तो भारत विश्व मंच पर न केवल आर्थिक रूप से बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक रूप से भी अग्रणी राष्ट्र बन सकता है।भारत का आर्थिक उत्थान तभी संभव है जब सामाजिक विषमताओं को मिटाकर राष्ट्रवाद, समरसता और समानता को समाज की मूलधारा बनाया जाए। यही वह पथ है जो भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और विश्वगुरु के रूप में स्थापित कर सकता है। यदि भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, तो सबसे पहले सामाजिक समानता सुनिश्चित करनी होगी। पिछड़े वर्गों, दलितों, आदिवासियों और वंचित तबकों को मुख्यधारा से जोड़ना ही वास्तविक विकास की दिशा में पहला कदम है। जब समाज का हर वर्ग शिक्षित, स्वावलंबी और सशक्त बनेगा, तभी गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद और असमानता जैसी समस्याएं मिटेंगी।

विकास केवल आर्थिक योजनाओं से संभव नहीं होता; इसके लिए मानसिक एकता और सामाजिक समरसता भी आवश्यक है। हमें समावेशी राष्ट्रवाद की उस अवधारणा को अपनाना होगा, जिसमें हर नागरिक खुद को राष्ट्र की प्रगति का सहभागी समझे। सांस्कृतिक और आर्थिक राष्ट्रवाद का समन्वय ही एक नए भारत की नींव रख सकता है।आज भी गरीबी, बेरोजगारी, भाषावाद, आतंकवाद और सांप्रदायिकता जैसी चुनौतियां भारत के विकास की रफ़्तार को रोक रही हैं। ब्रिटिश शासनकाल की विसंगतियां कहीं न कहीं आज भी हमारी सोच में मौजूद हैं। आवश्यकता है कि हम इन सब विभाजनों से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम की भावना को सर्वोपरि रखें।जब हर भारतीय अपने व्यक्तिगत, भाषाई या धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर भारतीयता को अपनाएगा, तभी भारत विश्व मंच पर न केवल आर्थिक बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी अग्रणी राष्ट्र बन सकेगा।

बिहार में भाजपा की नई रणनीति: डॉ. मोहन यादव के जरिए 'यादव समीकरण' साधने की कोशिश

भारतीय राजनीति में चुनावी रणनीतियाँ अक्सर सामाजिक समीकरणों और जनभावनाओं के इर्द-गिर्द बुनी जाती हैं। बिहार, जिसकी राजनीति हमेशा से ही जातीय आधार पर निर्धारित होती रही है, वहां आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अनेक दिलचस्प प्रयोग देखने को मिल रहे हैं। इस चुनावी अखाड़े में ऐसा ही एक नया राजनीतिक प्रयोग हुआ है मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रुप में। भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें अपने प्रचार अभियान का केंद्रीय चेहरा बनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह बिहार में यादव समाज की राजनीतिक नब्ज को छूने की हरसंभव कोशिश करेगी। इस नई भूमिका में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बिहार की राजनीति में पूरी तरह सक्रिय हैं। भाजपा ने उन्हें केवल एक मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि यादव समाज से आने वाले उस जननेता के रूप में प्रस्तुत किया है, जिन्होंने संगठन के स्तर से संघर्ष करते हुए सत्ता के शीर्ष तक का सफर तय किया। बिहार के उस राजनीतिक भूगोल में, जहां यादव समाज का एक बड़ा और निर्णायक मतदाता वर्ग मौजूद है, वहां डॉ. यादव की भूमिका भाजपा के लिए लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्रों को चुनौती देने वाली मानी जा रही है।

डॉ.यादव पिछले लगभग दो वर्षों से बिहार में लगातार सक्रिय हैं। श्रीकृष्ण चेतना विचार मंच के आयोजनों में उनकी सहभागिता रही है, जिससे वे सांस्कृतिक और वैचारिक रूप से भी इस भूमि से जुड़े रहे हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने बिहार के सामाजिक आयोजनों में अपनी उपस्थिति बनाए रखी, जिससे उनकी पहचान केवल एक बाहरी 'प्रचारक' के रूप में नहीं, बल्कि 'समाज से जुड़े प्रतिनिधि' के रूप में बनी। भाजपा के इस जातीय गणित की नई पटकथा बिहार की राजनीति में यादव समुदाय की विशाल सहभागिता से जुड़ी हुई है। यहां यादव समाज लम्बे समय से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ जुड़ा हुआ है। लालू प्रसाद यादव और बाद में तेजस्वी यादव इस समुदाय के सबसे प्रमुख और प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए इस समुदाय को प्रभावित करना और उन्हें अपने पक्ष में लाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। इन परिस्थितियों में मोहन यादव का चेहरा भाजपा के लिए इस मायने में संजीवनी है कि वे स्वयं 'यादव' समाज से आते हैं। वे एक ऐसे नेता भी हैं जिनकी राजनीतिक यात्रा परिवारवाद से मुक्त रही है। यही संदेश वे बिहार की जनसभाओं में बार-बार दोहरा रहे हैं। वे अपनी सभाओं में बार बार कहते हैं कि भाजपा उन कार्यकताओं को सम्मान देती है जो अपने परिश्रम से आगे बढ़े हों, न कि राजनीतिक वंशवाद के सहारे। इस तर्क के माध्यम से भाजपा और मोहन यादव दोनों ही सीधे सीधे तेजस्वी यादव पर निशाना साध रहे हैं। बिहार की लगभग 60 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां यादव मतदाता निर्णायक स्थिति में हैं। इनमें से कई क्षेत्र सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, दरभंगा, पूर्णिया, बक्सर और सिवान जैसे जिलों में आते हैं। इन इलाकों में भाजपा लंबे समय से अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर पाई है। अब इन इलाकों में डॉ. मोहन यादव अपनी जीवन यात्रा और एक सामान्य परिवार से मुख्यमंत्री बनने की कहानी साझा करते हैं। वे इसे यादव समुदाय के आत्मसम्मान और पहचान की भावना से जोड़ते हुए राजनीतिक दिशा देने का प्रयास करते हैं।

डॉ. मोहन यादव श्रीकृष्ण चेतना विचार मंच और अखिल भारतीय यादव महासभा जैसे मंचों से बिहार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन से पहले से ही जुड़े रहे हैं। बिहार के लोग, विशेषकर यादव समाज, भगवान श्रीकृष्ण को अपनी परंपरा व पहचान के केंद्र में रखते हैं। ऐसे में श्रीकृष्ण के आदर्शों पर आधारित समाज निर्माण का संदेश डॉ. यादव की सभाओं का मुख्य विषय है। पिछले महीने आयोजित जन समरस सांस्कृतिक सम्मेलन में उनकी उपस्थिति ने भी संकेत दिया था कि भाजपा केवल राजनीतिक मंचों के सहारे ही नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर भी अपने प्रसार की योजना बना रही है और डॉ. यादव भाजपा के ह्यसंस्कृति और विकासह्न दोनों सूत्रों को जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। राजनीति में प्रतीक और चेहरों की अहमियत हमेशा बनी रहती है। भाजपा के लिए डॉ. मोहन यादव एक ऐसे प्रतीक हैं जो कई स्तरों पर लाभ देते है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं,दूसरा, वे एक शिक्षित, सुसंस्कृत और वैचारिक रूप से परिपक्व नेता हैं, जो भाजपा के वैचारिक चेहरे को भी सशक्त बनाते हैं। तीसरा, वे किसी बड़े राजनीतिक परिवार से नहीं आते, जिससे उन्हें जनता के बीच ह्यस्वाभाविक प्रतिनिधिह्न का दर्जा दिया जा रहा है। भाजपा की चुनावी मशीनरी जानती है कि बिहार में यादव मतदाता को पूरी तरह अपने पाले में लाना मुश्किल है, लेकिन उसका एक हिस्सा भी यदि भाजपा की ओर आ जाता है तो कई सीटों पर निर्णायक बढ़त बनाई जा सकती है। इसी उद्देश्य से डॉ. यादव को उन क्षेत्रों में भेजा जा रहा है जहां यादव मतदाता ज्यादा हैं। कुम्हरार, बिक्रम, सहरसा, बगहा और सिकटा जैसे यादव बहुल इलाकों में वे जबर्दस्त प्रचार कर रहे हैं।

भाजपा की यह रणनीति केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि एनडीए गठबंधन की समग्र रणनीति पर लागू दिख रही है। डॉ. मोहन यादव की सभाओं में भाजपा के साथ-साथ एनडीए प्रत्याशियों का भी प्रचार किया जा रहा है। इससे यह संदेश भी जा रहा है कि बिहार में एनडीए इस बार जातीय राजनीति को पुनर्परिभाषित करने के प्रयास में है। तेजस्वी यादव जब राजद-कांग्रेस गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरा बने , तब भाजपा को भी एक वैचारिक ह्यकाउंटर फिगरह्न की जरूरत थी। डॉ. मोहन यादव इस खाली स्थान को भरते हुए दिख रहे हैं। उनके भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों की प्रशंसा के साथ यह भी बार-बार दोहराया जाता है कि भाजपा में अवसर जाति से नहीं, कर्म से तय होता है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह कदम भाजपा के लिए दोहरे लाभ वाला हो सकता है। पहला तो इससे यादव समुदाय में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ सकती है, जो अब तक सीमित थी। दूसरा, इससे भाजपा उस तटस्थ यादव मतदाता को अपने साथ जोड़ सकती है जो परंपरागत रूप से राजद के साथ तो है, लेकिन फिर भी बदलाव चाहता है।

हालांकि इस रणनीति की सफलता चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगी, फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा ने इस बार बिहार में जाति आधारित प्रचार में एक नया प्रयोग शुरू किया है।

डॉ. मोहन यादव की सभाओं में अपेक्षा से अधिक भीड़ और उत्साह देखा जा रहा है। कई स्थानों पर स्थानीय यादव समुदाय के प्रभावशाली सदस्य भाजपा के कार्यक्रमों में भाग लेने लगे हैं। यह संवाद और संपर्क भाजपा के लिए दीर्घकालिक लाभ का संकेत है। डॉ. यादव अपने भाषणों में बिहार की धरती को ह्यसंघर्ष और संस्कार की भूमिह्न बताकर उसमें अपना आत्मीय संबंध स्थापित करते हैं। उनकी शैली मृदुभाषी किन्तु सारगर्भित है। वे तथ्यों और आंकड़ों की बजाय प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से लोगों के हृदय को छूने का प्रयास करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बन गई है। बिहार में यादव समाज के भीतर ह्यभाजपा समर्थक यादवह्न की नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश की जा रही है। डॉ. मोहन यादव के माध्यम से पार्टी यह दिखाना चाहती है कि भाजपा सामाजिक न्याय और प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर भी अब पीछे नहीं है। यह संदेश राज्य के राजनीतिक ध्रुवीकरण को बदल सकता है। भाजपा की रणनीति साफ है। इसमें डॉ. मोहन यादव की भूमिका न केवल प्रचारक की है, बल्कि वे एक ऐसे चेहरे के रूप में उभरे हैं जो बिहार में भाजपा की विचारधारा का जन-संस्करण प्रस्तुत कर रहे हैं। बिहार की राजनीति इस समय एक दिलचस्प मोड़ पर है। तेजस्वी यादव युवा नेतृत्व के प्रतीक बनकर उभरे हैं, तो वहीं भाजपा उनका मुकाबला करने के लिए डॉ. मोहन यादव जैसे संगठन-निर्मित नेता को सामने लायी है। यह केवल दो व्यक्तित्वों का सामना नहीं, बल्कि दो राजनीतिक विचारधाराओं, वंशवाद बनाम संगठनवाद का टकराव भी है। यदि आगामी चुनावों में भाजपा अपनी रणनीति को जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू कर लेती है, तो डॉ. मोहन यादव का यह अभियान बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय प्रारंभ कर सकता है। बिहार की चुनावी जमीन पर अब लोकतांत्रिक प्रयोगों का यह दौर देखने योग्य होगा जहां मध्य प्रदेश के एक मुख्यमंत्री, बिहार के यादव समाज के बीच एक नए भरोसे का पुल बनाते दिखाई दे रहे हैं।

(पवन वर्मा-विभूति फीचर्स)

जिलास्तरीय लोकशाही दिवस का 3 नवंबर को होगा आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। प्रत्येक माह के पहले सोमवार को आयोजित किए जाने वाले जिलास्तरीय लोकशाही दिवस का आयोजन इस माह भी निर्धारित कार्यक्रमानुसार किया जायेगा। नवंबर माह का जिलास्तरीय लोकशाही दिवस जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार, 3 नवंबर 2025 को दोपहर 1 बजे जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में आयोजित किया जायेगा। जिन नागरिकों ने अपनी शिकायतें या आवेदन प्रस्तुत किए हैं, उन्हें सूचित किया गया है कि वे लोकशाही दिवस के दिन आवश्यक दस्तावेजों और जानकारी के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित रहें, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का निपटारा करने के लिए चर्चा करेंगे।

नकली नौकरी के ऑफर बढ़े; फेडएक्स ने नौकरी खोजने वालों को किया सतर्क

मुंबई। आज के डिजिटल दौर में नौकरी ढूंढना जितना आसान हो गया है, ऑनलाइन धोखाधड़ी का खतरा उतना ही बढ़ गया है। नौकरी की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, उम्मीदवारों को धोखाधड़ी करने वाली भर्तियों से सावधान रहने का आह्वान फेडएक्स ने किया है। कंपनी ने नौकरी खोज रहे लोगों के लिए कुछ महत्वपूर्ण साइबर सेफ टिप्स साझा करते हुए बताया कि धोखेबाज अक्सर भरोसेमंद ब्रांड्स के नाम का गलत उपयोग करके उम्मीदवारों को भ्रमित करते हैं और आवेदन, प्रशिक्षण, वीजा प्रक्रिया या इंटरव्यू के नाम पर पैसे वसूलते हैं। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल ने ऑनलाइन जॉब फ्रॉड को एक आधिकारिक अपराध श्रेणी में शामिल किया है, जिससे इस समस्या की गंभीरता स्पष्ट होती है। हाल ही में, सरकार ने विदेशों में चल रहे नकली भर्ती नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई भारतीय नागरिकों को बचाया है। ये घटनाएँ इस प्रकार की धोखाधड़ी के खतरों को उजागर करती हैं। फर्जी नौकरी के जाल में फँसने से बचने के लिए कुछ संकेतों को पहचानना बेहद जरूरी है। अक्सर धोखेबाज ह्यघर बैठे आसान कामह्व या कैप्चा भरकर मोटी कमाई जैसे लालच भरे ऑफर देकर लोगों को लुभाने की कोशिश करते हैं। अगर कोई भर्ती करने वाला व्यक्ति जल्दी-जल्दी पैसे मांग रहा है – चाहे ट्रेनिंग, इंटरव्यू या जॉब कन्फर्मेशन के नाम पर – तो यह फजीर्वाड़े का साफ संकेत है। इसी तरह, अगर किसी अनजान नंबर से कॉल, ईमेल या व्हाट्सएप संदेश आकर आपसे व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी मांगी जा रही है, तो तुरंत सतर्क हो जाएं। कई बार ह्यरेफरल स्कीमह्व के जरिए दूसरों को जोड़कर पैसे कमाने का लालच भी इस जाल का हिस्सा होता है। इसके अलावा, असली जैसी दिखने वाली नकली वेबसाइटें और ईमेल एड्रेस – जैसे fedx.com fed-ex.com — पर भरोसा न करें। संदेशों में गलत वर्तनी, व्याकरण की त्रुटियाँ, बड़े अक्षरों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल और बार-बार लगे विस्मयादिबोधक चिन्ह (!) भी धोखाधड़ी के स्पष्ट चेतावनी संकेत हो सकते हैं। इसलिए ऐसी किसी भी संचार सामग्री को ध्यान से परखें और अपनी जानकारी साझा करने से पहले दो बार सोचें। फर्जी नौकरी के ऑफर से बचने के लिए सबसे जरूरी है – सतर्कता और जांच-पड़ताल। किसी भी अनजान स्रोत से आई नौकरी की पेशकश पर जल्दबाजी में भरोसा न करें। अगर कोई ऑफर बहुत आसान या जल्दी मिलने वाला लग रहा है, तो सावधान रहें – यह धोखाधड़ी हो सकती है। हमेशा याद रखें कि असली और भरोसेमंद कंपनियां नौकरी देने के लिए कभी भी उम्मीदवारों से पैसे नहीं मांगतीं। किसी भी नौकरी की जानकारी आधिकारिक स्रोतों से ही जांचें। उदाहरण के लिए, फेडएक्स की नौकरी की पुष्टि करने के लिए उसकी FedEx Careers वेबसाइट या आधिकारिक सोशल मीडिया चैनल्स पर ही जानकारी देखें। ईमेल एड्रेस ध्यान से पढ़ना भी बेहद जरूरी है – छोटे से स्पेलिंग मिस्टेक या अतिरिक्त शब्द में भी बड़ा धोखा छिपा हो सकता है। अपनी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति, वेबसाइट या प्लेटफॉर्म के साथ साझा न करें। अगर आपको विदेश में नौकरी का ऑफर मिला है, तो उस कंपनी या एजेंट की साख की जांच जरूर करें। संबंधित भारतीय दूतावास या मान्यता प्राप्त भर्ती एजेंट से उसकी पुष्टि कर लें। थोड़ी सी सावधानी आपको बड़ी फसवणुकी से बचा सकती है। संदेह होने पर क्या करें: फर्जी भर्ती घोटाले ज्यादातर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर नहीं, बल्कि लोगों के भरोसे और जल्दबाजी पर निर्भर होते हैं। ठग आपकी लापरवाही और विश्वास का फायदा उठाकर जाल बुनते हैं। इसलिए हमेशा सतर्क रहना बेहद जरूरी है। अगर आपको किसी नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी का शक हो, या आप पहले ही इसका शिकार बन चुके हों, तो तुरंत कार्रवाई करें।

अपग्रैड का वित्तीय वर्ष 2025 का EBITDA पॉजिटिव हुआ

मुंबई। एशिया की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड स्किलिंग और लाइफ लॉन्ग लर्निंग कंपनियों में से एक अपग्रैड ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए EBITDA प्रॉफिटेबिलिटी की घोषणा की, जो लगातार रेवेन्यू ग्रोथ, ऑपरेटिंग एफिशिएंसी और अनुशासित वैश्विक विस्तार से प्रेरित है। कंपनी ने 1,943 करोड़ रुपए का ग्रॉस रेवेन्यू दर्ज किया - जो इंड-एएस अकाउंटिंग के बाद 1,650 करोड़ रुपए की कुल आय है। यह दर्शाता है कि लनर्स और एंटरप्राइज में इसकी मांग लगातार बढ़ी है। इसके अलावा, कंपनी के पास 556 करोड़ रुपए का जमा किया हुआ अनरिकॉग्नाइज्ड रेवेन्यू है, जिसे भविष्य में रिकॉग्नाइज किया जाएगा। अपग्रैड ने वित्तीय वर्ष 2025 में 15 करोड़ रुपए का इंड-एस- EBITDA प्रॉफिट (वन-टाइम लागत और अन्य आय सहित) पोस्ट किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 285 करोड़ रुपए के EBITDA नुकसान से एक मजबूत बदलाव है। इसमें साल-दर-साल नुकसान में 105% की कमी दर्ज की गई है। वन-टाइम लागत को छोड़कर, EBITDA प्रॉफिट पिछले साल के 202 करोड़ रुपए के नुकसान के मुकाबले 38 करोड़ रुपए रिकार्ड हुआ। कंपनी का नेगेटिव शुद्ध लाभ 51% कम हो गया, जो वित्तीय वर्ष 2024 में 560 करोड़ रुपए से घटकर वित्तीय साल 2025 में 274 करोड़ रुपए हो गया, जिसमें नॉन-कैश आइटम कुल 169 करोड़ रुपए हैं। यह मजबूत ऑपरेटिंग कैश फ्लो द्वारा समर्थित है। बेहतर शुद्ध लाभ के साथ, कंपनी स्किलिंग, प्रॉफिटेबिलिटी, एफिशिएंसी और लॉन्ग-टर्म वैल्यू क्रिएशन ब्रांड पर फोकस कर रही है। अपग्रैड के को-फाउंडर और चेयरपर्सन, रॉनी स्क्रूवाला ने कहा, वित्तीय वर्ष 2025 हमारे लिए एक अच्छा साल रहा है - पिछले दो सालों से हमारे रणनीतिक विस्तार और लॉन्ग-टर्म दांव में इजाफा हुआ है। हाई-वैल्यू स्किलिंग के साथ व्यक्तियों को सक्षम बनाने का हमारा तरीका अब भारत से लेकर वियतनाम, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका तक सभी बाजारों में मापने योग्य फ्डकदे रहा है। फाउंडर-फंडेड होने के कारण हम मुनाफे से समझौता किए बिना टेक और बाजार विस्तार में साहसिक, उच्च-आत्मविश्वास वाले निर्णय लेने में सक्षम हैं। सभी करियर चरणों और वैश्विक बाजारों में एक गहरे, अकनेतृत्व वाले लर्निंग पोर्टफोलियो को स्केल करते हुए एइक्ळऊअ को पॉज़िटिव बनाना यह दिखाता है कि हम सिर्फ.एक बिजनेस नहीं बना रहे हैं - हम संरचनात्मक शक्ति और स्थायी मुनाफे के स्पष्ट मार्ग के साथ एक कैटेगरी बना रहे हैं।

आज की आवश्यकता है निःस्वार्थता : डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे

पालघर(उत्तरशक्ति)। दुनिया में शिंपले (सीप) की तरह जीना हर किसी के बस की बात नहीं। सीप बाहर से कठोर होती है, लेकिन भीतर वह अपने स्वार्थ को त्यागकर एक अनमोल मोती बनाती है। आज के स्वार्थी समाज में ऐसे निःस्वार्थ भाव से जीवन जीने वाले लोग बहुत कम देखने को मिलते हैं। उक्त बातें पूर्व प्रधानाध्यापिका डॉ.स्मिता सुधीर मालवदे ने कही।

उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि जीवन में अधिकांश लोग अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए मीठे बोल बोलकर दूसरों को छलते हैं। इसलिए आज के युग में आवश्यक है कि हम दूसरों की बातों और व्यवहार को समझदारी से परखें। लोग अक्सर बाहर से मीठा बोलते हैं, लेकिन भीतर स्वार्थ की आग सुलगती रहती है। दुखद बात यह है कि ऐसे लोग किसी का नुकसान करते समय न समाज की परवाह करते हैं, न अपने अंतरात्मा की लाज रखते हैं। भारतीय समाज, संस्कृति, परंपरा और संस्कार आज कहीं कोनों में दबे पड़े हैं। भ्रष्टाचार हर स्तर पर फैल चुका है। हम सब भ्रष्टाचार मिटाने की बातें तो करते हैं, पर जब हमारा काम अटकता है, तो हम स्वयं भी उसी रास्ते पर चल पड़ते हैं। यह सच है कि कभी-कभी परिस्थितियाँ हमें मजबूर कर देती हैं, लेकिन यह भी सच है कि इस व्यवस्था में हम सब कहीं न कहीं सहभागी बन जाते हैं। समाज में ऐसे लोग भी हैं जो दूसरों को झूठे आश्वासन देकर, मेहनत की कमाई लूट लेते हैं और फिर खुलेआम सम्मानपूर्वक घूमते हैं। जबकि ईमानदारी और निस्वार्थ भाव

से जीवन बिताने वाले लोग झूठे आरोपों और धमकियों से डराकर चुप करा दिए जाते हैं। यही हमारे समाज का दुर्भाग्य है। भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों में ही नहीं, बल्कि घर-परिवार में भी दिखाई देता है। जब कोई व्यक्ति अपने भाई की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी और बच्चों को उनके अधिकार से वंचित कर देता है, तो यह भी एक प्रकार का भ्रष्टाचार ही है। आखिर हम सबको एक दिन यही सब यहीं छोड़कर जाना है। फिर दूसरों का हक मारने का क्या अर्थ? आज ऐसे लोग बहुत कम बचे हैं जो बाबा आमटे या सिंधुताई सपकाळ जैसे निःस्वार्थ जीवन जीते हों। जब तक समाज से भ्रष्टाचार की जड़ें उखाड़ी नहीं जातीं, तब तक छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर या सावित्रीबाई फुले के नाम का जयघोष करना व्यर्थ है।भ्रष्टाचार में पुरुष ही नहीं, महिलाएँ भी पीछे नहीं हैं। क्या सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन का बलिदान इसीलिए दिया था कि आज हम समाज में बेईमानी और अन्याय को बढ़ावा दें? अगर हमें सच में इन महान आत्माओं के प्रति श्रद्धा है, तो केवल भाषण या लेखन से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से हमें यह सिद्ध करना होगा। जिस दिन भ्रष्टाचार मुक्त भारत निबंध प्रतियोगिता का विषय बनना बंद हो जाएगा, उसी दिन भारत वास्तव में भ्रष्टाचार मुक्त कहलाएगा। जीवन में चार वेदों का अर्थ न भी समझें, पर यदि समझदारी, जिम्मेदारी, ईमानदारी और दुनियादारी इन चार शब्दों का अर्थ समझ लिया, तो जीवन सार्थक हो जाएगा।

क्योंकि इन्हीं से भ्रष्टाचार मिटेगा और एक सच्चे अर्थों में समृद्ध, नैतिक भारत का निर्माण होगा। अंत में इतना ही कहना उचित होगा कि जिसने सब कुछ अपनी मेहनत से पाया, उसे रात को चैन की नींद आती है। पर जिसने दूसरों को धोखा देकर सफलता हासिल की, उसका मन कभी शांत नहीं होता। इसलिए अपने सुखी, स्वस्थ और संतोषपूर्ण जीवन के लिए हमें स्वयं से शुरूआत करनी होगी।

पूर्णिमा वर्ल्ड संस्था द्वारा छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई जुहू में छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व कार्यक्रम जुहू चौपाटी में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। जहां पर मैथिल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े भव्य एवं दिव्या तरीके से किया गया। इस आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में पूर्णिमा वर्ल्ड अध्यक्ष रामकेवल महतो, उपाध्यक्ष लाल बाबू शर्मा,सचिव नागेंद्र ठाकुर, उपसचिव हरिओम ठाकुर, सुभाष महतो, खजिंदार शिवजी मंडल,श्याम सुंदर यादव, के साथ सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अमित साटम, भाजपा अध्यक्ष मुंबई ,प्रमुख अतिथि आचार्य पवन त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट, स्थानीय नगरसेवक श्रीमती रेणु हंसराज, उपस्थित रहे जहां पर पहला दिन अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया गया, दूसरे दिन उदयीमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक मैथिल समाज द्वारा अयोजित भक्ति कार्यक्रम में संगीत के माध्यम से सभी भक्तों का मन मोह लिया।

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका ने व टाइप रास्ते का निरीक्षण किया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सांसद श्रीकांत शिंदे का ग्रीन प्रोजेक्ट कहे जाने वाला कल्याण पूर्व का यू-टाइप रास्ते का काम जल्दी शुरू हो जाएगा। इसी सिलसिले में आज कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों ने रास्ते का निरीक्षण किया।

शहर प्रमुख नीलेश शिंदे ने कहा कि विकास काम करने के लिए हमारी पार्टी हमेशा ततपर रहती है। भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड़ भी मीडिया से बात करते हुवे कहा कि शहर का विकास काम करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी शहर का विकास काम करने के लिए सभी को एक साथ आने की जरूरत।

काटेमानेवली नाका से होते हुए गणेश मंदिर चौक से शिद्धार्थ नगर तक प्रस्तावित 80 फुट चौड़ा रास्ते के काम में प्रशासनिक स्तर पर तेजी आ गई है। कहा जा रहा है कि

मानसून खत्म होते ही यह काम शुरू कर दिया जाएगा।

इस संदर्भ में, गुरुवार दोपहर एमएमआरडीए के अधिकारियों ने मनपा की शहर अभियंता अनीता परदेशी और सहायक आयुक्त सविता हिले, स्थानीय भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड़, शिवसेना शहर प्रमुख नीलेश शिंदे, पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़, पूर्व नगर सेवक नवीन शेठ गवली कांग्रेस जिला प्रमुख सचिन पोटे, पूर्व नगरसेवक अभिमन्यु गायकवाड़,पूर्व नगर सेवक उदय रसाल भजपा पदाधिकारी विजय उपाध्याय,शैलेश तिवारी ऐसे अनेंको गणमान्य लोगों के साथ नियोजित यू-टाइप सड़क का निरीक्षण किया गया । अभियंता अनीता परदेशी ने कहा कि इस दौरे के बाद आगे के काम की योजना बनाई जाएगी।

पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह सड़क सांसद श्रीकांत शिंदे की एक हरित परियोजना है और कल्याण पूर्व के विकास के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इस सड़क चौड़ीकरण में कोई भी प्रभावित व्यक्ति पुनर्वास से वंचित नहीं रहेगा,

बातचीत में पूर्व नगर सेवक नवीन शेठ गवली ने कहा कि व टाइप रास्ते में बाधित सभी दुकानदारों को हर सम्भव मुवावजा मिलना चाहिए विकास काम करने के लिए शिवसेना भाजपा अन्य सभी पार्टियों के नेता मिलकर काम करने की जरूरत है।

मुंबईकरों की राय के आधार पर बनेगी मुंबई के विकास की राजनीति : अमित साटम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई भाजपा मुंबईकरों के सुझावों और अपेक्षाओं को जानने के लिए घर-घर जाकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'आवाज मुंबईकरों की, संकल्प भाजपा का' के माध्यम से तीन दिवसीय अभियान चलाने जा रही है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम ने बताया कि यह अभियान पूरे मुंबई में तीन दिन शुक्रवार, शनिवार और रविवार (31 अक्टूबर, 1 नवंबर और 2 नवंबर) को बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा।

विधायक अमित साटम ने आगे बताया कि इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों की राय के आधार पर मुंबई के बहुमुखी विकास के लिए आगामी नीतियों और गतिविधियों की योजना

बनाना है। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर, रेलवे स्टेशन, कॉलेज परिसर और समाज के हर वर्ग के लोगों से संपर्क कर उनके सुझाव जानेंगे। विधायक अमित साटम ने यह भी कहा कि इन गतिविधियों को 'घर चलो अभियान' की तर्ज पर लागू किया जाएगा और प्रतिष्ठित नागरिकों, छात्रों और आम मुंबईकरों के साथ सीधा संवाद किया जाएगा। मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक अमित साटम शुक्रवार सुबह 6.30 बजे नेशनल पार्क का दौरा करेंगे। वह रविवार सुबह 6.30 बजे मरीन ड्राइव का दौरा करेंगे. साथ ही शुक्रवार को दोपहर 3 बजे वह जाने-माने अभिनेता पद्मश्री अशोक सराफ से मुलाकात करेंगे और इस पहल के बारे में चर्चा करेंगे। मुंबई भाजपा का यह तीन दिवसीय अभियान मुंबईकरों की भागीदारी से मुंबई के विकास का नया संकल्प पेश करेगा।इससे पहले विधायक अमित साटम ने 'आवाज मुंबईकरों की, संकल्प भाजपा का' अभियान के तहत हमाल बंधुओं, सफाई कर्मचारी,डब्बेवाले, आदिवासी बंधुओं आदि से बातचीत कर उनके सुझाव और राय जानना है।

डी.ई.ए.फ. एवं दक्षता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, पालघर एवं मनोर शाखा तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में ठेवीदार शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डी.ई.ए.फ.) और दक्षता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को ग्रामपंचायत वसरे एवं तामसई में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर श्री विशाल वाघ ने की। इस अवसर पर आरबीआई एल डी ओ पालघर के निशांत यादव, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र पालघर शाखा पर बोगटे, मनोर शाखा प्रबंधक नवदीप सिंह तथा एफ एल सी इंचार्ज उज्ज्वला कोकणे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और नागरिकों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर स्वधारा एनजीओ टीम, दोनों ग्रामपंचायतों के सरपंच, उपसरपंच, सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को निष्क्रिय जमा खातों के संबंध में जानकारी दी गई तथा डी.ई.ए.फ. योजना के अंतर्गत अपनी जमा राशि के प्रति सजग रहने का आग्रह किया गया। साथ ही दक्षता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर भ्रष्टाचार

मुक्त भारत विकसित भारत की अवधारणा पर आधारित दक्षता शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन उज्ज्वला कोकणे ने किया। इस जनउपक्रम के माध्यम से बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ग्रामीण नागरिकों में वित्तीय साक्षरता, पारदर्शिता एवं जागरूकता के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

पालघर में आयोजित मुंबई विभागीय शालेय बेसबॉल स्पर्धा संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। दिनांक 28 से 30 अक्टूबर के बीच पालघर के स. तू. कदम विद्यालय के प्रांगण में जिला क्रीडा अधिकारी कार्यालय, पालघर की ओर से मुंबई विभागीय शालेय बेसबॉल स्पर्धा का भव्य आयोजन किया गया।

स्पर्धा का उद्घाटन समारोह अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में जिला क्रीडा अधिकारी सुहास व्हनमाने, मुख्य कार्यकारी क्रीडा अधिकारी गिरीश इरणक, जीवन विकास संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रणव कदम, कोमल कदम, दांडी हाईस्कूल की मुख्याध्यापिका मनीषा तारवी, संघटना के राज्य सह सचिव अशोक सरोदे, तथा जिला संघटना के पदाधिकारी नितीन म्हात्रे आदि मान्यवर उपस्थित थे।

इस विभागीय स्पर्धा में मुंबई विभाग के 13 संघों ने सहभाग लिया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में शानदार मुकाबले हुए। जिसमें 19 वर्ष आयु वर्ग (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान पालघर जिला, द्वितीय स्थान मुंबई शहर जिला तथा तृतीय स्थान मुंबई उपनगर जिला ने हासिल किया। 19 वर्ष आयु वर्ग

(बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान मुंबई उपनगर जिला, द्वितीय स्थान वसई-विरार महानगरपालिका तथा तृतीय स्थान मुंबई शहर जिला ने प्राप्त किया।

वहीं 17 वर्ष आयु वर्ग (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान रायगढ़ जिला, द्वितीय स्थान पालघर जिला तथा तृतीय स्थान मुंबई शहर जिला को मिला। 17 वर्ष आयु वर्ग (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान रायगढ़ जिला, द्वितीय स्थान नवी मुंबई महानगरपालिका तथा तृतीय स्थान मुंबई उपनगर जिला ने हासिल किया। इस स्पर्धा में विजयी हुए संघ अब आगामी महाराष्ट्र राज्य स्तरीय बेसबॉल स्पर्धा में मुंबई विभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्वेता रॉय DPIFF एडवाइजरी बोर्ड में शामिल

मुंबई। दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल – भारत का सबसे जाना-माना फिल्म फेस्टिवल और अवॉर्ड सेरेमनी, ने एसआर क्वींस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की फाउंडर और डायरेक्टर श्वेता रॉय को अपने जाने-माने एडवाइजरी बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की है। यह मील का पत्थर सशक्तिकरण, लीडरशिप, कल्चरल मैनेजमेंट और क्रिएटिव विजन का एक शक्तिशाली मेल है, जो ग्लोबल स्टेज पर भारतीय कला, संस्कृति और सिनेमा को सम्मान देने और ऊपर उठाने के DPIFF के मिशन के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है।

भारतीय सिनेमा के जनक, दादासाहेब फाल्के जी की हमेशा रहने वाली विरासत से गाइडेड होकर, DPIFF कलात्मक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव का एक बेंचमार्क बन गया है। यह फेस्टिवल भारतीय फिल्ममेकर्स, आर्टिस्ट्स और विजनरीज की काबिलियत का जश्न मनाता रहता है, साथ ही सिनेमाई इनोवेशन और स्टोरीटेलिंग के ग्लोबल पावरहाउस के तौर पर भारत की जगह को और मजबूत करता है।श्वेता रॉय, एक मशहूर एंटरप्रेन्योर और महिला एम्पावरमेंट की सपोर्टर, एसआर क्वींस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। यह एक ऐसा लीडिंग प्लेटफॉर्म है जो ग्लोबल पेजेंट लैंडस्केप को नई परिभाषा दे रहा है। अपनी खास पहल मिसेज इंडिया क्वीन के साथ, उन्होंने एक ऐसा मूवमेंट बनाया है जो मकसद के साथ सुंदरता का जश्न मनाता है – महिलाओं को अपनी पहचान अपनाने, अपनी आवाज बुलंद करने और स्टेज पर और स्टेज के बाहर, दोनों जगह लीडरशिप रोल में आने के लिए प्रेरित करता है। उनकी दूर की सोच वाली लीडरशिप में, रफ क्वींस मीडिया एम्पावरमेंट और बदलाव की पहचान बन गया है, जो अलग-अलग बैकग्राउंड की महिलाओं को रुकावटों को तोड़ने और कॉन्फिडेंस के साथ लीड करने में मदद करता है।

श्वेता रॉय ने कहा, एक ऐसे इंस्टीट्यूशन का हिस्सा बनना सच में सम्मान की बात है जो इंडियन सिनेमा के सबसे महान विजनरी की विरासत को सेलिब्रेट करता है और उसे संभालकर रखता है। दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल क्रिएटिव एक्सीलेंस और आर्टिस्टिक इंटीग्रिटी का सिंबल है, और मैं इसकी इंस्पायरिंग जर्नी में कंट्रीब्यूट करके बहुत खुश हूं। सिनेमा हमेशा से स्टोरीटेलिंग और चेंज का एक पावरफुल मीडियम रहा है, और इस प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना विनम्र और एम्पावर करने वाला दोनों है। एडवाइजरी बोर्ड में उनका वेलकम करते हुए, DPIFF के सीईओ अभिषेक मिश्रा ने कहा, हमें DPIFF एडवाइजरी बोर्ड में मिसेज श्वेता रॉय का वेलकम करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनकी एंटरप्रेन्योरियल स्पिरिट और विमेन एम्पावरमेंट के लिए कमिटमेंट फेस्टिवल में एक रिफ्रेशिंग और डायनामिक डायमेंशन लाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

दर्शनार्थियों के वाहन को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर, दस घायल

जौनपुर के वाराणसी-लखनऊ हाइवे पर सीहीपुर के पास हुआ हादसा

वाराणसी से अयोध्या श्रीराम के दर्शन करे जा रहे थे आन्ध्र प्रदेश के श्रद्धालु

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी से अयोध्या श्रीराम के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं का वाहन गुरुवार की

सुबह भीषण हादसे का शिकार हो गया। वाराणसी-लखनऊ हाइवे पर सीहीपुर गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दस श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। बाकी नौ घायलों की हालत खतरे से बाहर है। जानकारी के मुताबिक सभी श्रद्धालु आंध्रप्रदेश के रहने वाले हैं और श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में दर्शन के लिए वाराणसी से निकले थे। अचानक सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वाहन सड़क किनारे पलट गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जौनपुर में मदर टेरेसा फाउंडेशन ने लगाया निःशुल्क मेडिकल कैंप

सुशील गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के उत्तरी छोर पर स्थित हुमा मस्जिद के निकट हुमा कॉलोनी मुफ्ती मोहल्ला में मदर टेरेसा फाउंडेशन की जौनपुर इकाई द्वारा आयोजित निःशुल्क मेडिकल कैंप ने क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत प्रदान की।

कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं

सैकड़ों महिलाओं को मिली स्वास्थ्य सुविधा

फाउंडेशन के संस्थापक पूर्व सदर विधायक मोहम्मद अरशद खान ने किया। उनका जोरदार स्वागत फाउंडेशन की टीम ने पुष्पगुच्छ और जौनपुर के ऐतिहासिक फ्रेमिंग चित्र भेंट कर किया।

मीडिया से बातचीत में मोहम्मद अरशद खान ने कहा, 'इस मेडिकल कैंप का एकमात्र उद्देश्य जन-जन तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाना है। खासकर माताओं-बहनों को समय पर रोगों की पहचान और उपचार की जानकारी मिले, ताकि भविष्य में जटिल बीमारियां उन्हें परेशान न करें।' उन्होंने फाउंडेशन की इस पहल को सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कैंप की मुख्य आकर्षण रहीं पूर्वांचल की ख्यातिप्राप्त स्त्री रोग एवं प्रसूति विशेषज्ञ डॉ. निदा सलाम

(सीजीओ), एसआरएस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर, जौनपुर। डॉ. निदा ने सैकड़ों महिलाओं की जांच की, परामर्श दिया और निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। उन्होंने जोर देकर कहा, 'रोग को छुपाने से वह बढ़ता है। माताएं-बहनें समय-समय पर महिला चिकित्सक से परामर्श लें, ताकि छोटी बीमारियां बड़ी न बनें।' उनके साथ आए स्टाफ ने मरीजों को दवाओं के सेवन और उपयोग की विस्तृत जानकारी दी।

एसआरएस हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक बृजेश सिंह, सौरभ सिंह, आंशिक राय और नेहा गौतम की उपस्थिति ने कैंप को और मजबूती प्रदान की। लखनऊ से पधारे मदर टेरेसा फाउंडेशन के नेशनल चेयरमैन डॉ. मोहम्मद नासिर खान, जिला चेयरमैन डॉ. इम्तियाज अहमद, जिला प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी रियाजुल हक, महासचिव शब्बीर हैदर अम्मार, मास्टर मेराज, सपा नेता अरशद कुरैशी, आरिफ हबीब, ताज मोहम्मद, कलीम अहमद, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद अफरीदी, जैन अब्दुल्लाह सिद्दीकी, सारा सिद्दीकी मो नईम खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह कैंप महिलाओं के स्वास्थ्य सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुआ, जिसने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सीधा लाभ पहुंचाया।

चंदौली के अलीनगर में वाहन की चपेट में आने से कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी की मौत

चंदौली (उत्तरशक्ति)। अलीनगर थाना क्षेत्र के पचफेड़वा हाईवे पर बुधवार की देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चंदौली कलेक्ट्रेट कार्यालय में तैनात प्रशासनिक अधिकारी कृष्ण कुमार श्रीवास्तव (58) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। वहीं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई।

बलुआ थाना क्षेत्र के मारूफपुर गांव निवासी कृष्ण कुमार श्रीवास्तव लंबे समय से वाराणसी के महमूरगंज आकाशवाणी के पास एक निजी फ्लैट में रह रहे थे। रोजाना ड्यूटी के लिए चंदौली आते-जाते थे। बुधवार की शाम भी मोटरसाइकिल से ड्यूटी के बाद वाराणसी जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार से गुजर रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कृष्ण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंचे अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल पांडेय ने घायल अधिकारी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस बाबत थानाध्यक्ष अनिल पांडेय ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि दुर्घटना में शामिल वाहन तेज रफ्तार से गुजर रहा था, घटना के बाद मौके से भाग गया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जिससे वाहन और चालक की पहचान की जा सके। घटना की सूचना मिलते ही परिजन वाराणसी से चंदौली जिला अस्पताल पहुंचे। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि कृष्ण कुमार रोजाना इसी मार्ग से दफ्तर जाते थे और हादसे के वक्त भी वह सामान्य रूप से लौट रहे थे।

कुंवर हरिवंश कॉलेज ऑफ फामेर्सी में छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत थाना जफराबाद, एंटीरोमियो टीम, द्वारा आज दिनांक 30/10/2025 को कुंवर हरिवंश कॉलेज ऑफ फामेर्सी ग्राम महरुपुर थाना जफराबाद में वीडियो के माध्यम से मिशन शक्ति फेज-5 के तहत उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक

करते हुए तथा हेल्पलाइन नंबरों पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102,108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, साइबर अपराध 1930, तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं विधवा पेंशन योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना नशा मुक्ति भारत अभियान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व लैंगिक तथा महिला से सम्बंधित कानूनों के बारे में अवगत कराया गया और नए आपराधिक कानूनों के बारे में अवगत कराया गया, थाना-जफराबाद जनपद जौनपुर।

वाराणसी की दालमंडी चौड़ीकरण पर बवाल

ध्वस्तीकरण शुरू होते ही दुकानदारों का विरोध, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। दालमंडी गली चौड़ीकरण प्रोजेक्ट के तहत बुधवार को प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। टीम के पहुंचते ही क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर विरोध जताया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की।

दो बजे के करीब पीडब्ल्यूडी एवं नगर निगम की संयुक्त टीम भारी पुलिस बल के साथ दालमंडी पहुंची और एक पुराने मकान को तोड़ने की कार्रवाई प्रारंभ की। मशीनों और हथौड़ों से करीब छह घंटे तक चली कार्रवाई में मकान का लगभग 70% हिस्सा गिरा दिया गया।

कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी की स्थिति रही। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि चौड़ीकरण के नाम पर उनकी आजीविका छीनी जा रही है। उनका कहना है कि किसी भी तरह की वैकल्पिक व्यवस्था या उचित मुआवजा उपलब्ध नहीं कराया गया है। कई परिवारों के सामने रोजगार और बच्चों की पढ़ाई को लेकर संकट खड़ा हो गया है।

लोगों ने कहा कि यह क्षेत्र दशकों से व्यवसायिक गतिविधियों का केंद्र रहा है और अचानक उजाड़ने से लोग सड़क पर आ जाएंगे। वहीं, कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें मुआवजा बेहद कम मिला है, जिससे नए सिरे से व्यवसाय शुरू करना संभव नहीं है।

पहले दिन दीपक शरण और राकेश शरण ने प्रशासन को अपना मकान खाली सौंप दिया। दोनों को लगभग 15 लाख रुपये मुआवजा दिया गया है। नगर निगम रविवार को 187 भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर चुका है, जिसमें मकान खाली करने का निर्देश दिया गया था।

संभावित विरोध को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। इलाके में आरएएफ व पीएसी की एक-एक कंपनी, चार थानों की फोर्स तथा ड्रोन निगरानी तैनात रही। रातभर पुलिस बल दालमंडी में मौजूद रहेगा और 50 मीटर एरिया में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। गुरुवार दोपहर एक बजे से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पुनः शुरू की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि दालमंडी चौड़ीकरण शहर के यातायात सुधार के लिए आवश्यक है, जबकि दुकानदार इसे रोजगार छीनने वाला कदम बता रहे हैं।

छात्रा को बनाया एक दिन के लिये थानाध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा एंव स्वावलंबन बनाये जाने हेतु, उनके

विरुद्ध हो रहे अपराधों को नियत्रंण रखने के लिए चन्द्रेज चिल्ड्रेन्स एकेडमी जगदीशपुर की कक्षा 12 की बालिका कु0 स्वर्णिमा यादव को एक दिन के लिए थाना जफराबाद का थानाध्यक्ष बनाया गया जिनके द्वारा थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, आईजीआरएस कार्यालय, हेल्प डेस्क व थाना परिसर का निरीक्षण किया गया तथा उनके द्वारा महिला सम्बन्धित दो प्रकरणों को सुना गया उनमे से एक प्रक?ण को मौके पर ही निस्तारित किया गया तथा शेष एक प्रकरण को निस्तारित हेतु सम्बन्धित अधि0/कर्म0गण को निर्देश दिया गया। तथा महिला अपराधों पर रोकथाम हेतु आवश्यक कार्वयाही के लिए दिशा निर्देश दिया गया एवं महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए महिलाओं को आगे आने के लिए प्रत्येक फील्ड में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा महिला की सुरक्षा हेतु महिला सम्बन्धित हेल्पलाइन नम्बरों पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102,108, वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, साइबर अपराध 1930 के बारे में जानकारी दी गयी। बालिका का नाम कु0 स्वर्णिमा यादव पुत्री राजकुमार यादव चन्द्रेज चिल्ड्रेन्स एकेडमी जगदीशपुर की कक्षा 12 की बालिका। उक्त प्रोग्राम में भाग लेने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण, प्र0उ0नि0 प्रकाश शुक्ला थाना जफराबाद जौनपुर, म0उ0नि0 मिथिलेश कुमारी थाना जफराबाद जौनपुर, हे0का0 दयाशंकर पाण्डेय थाना जफराबाद जौनपुर, म0का0 प्रज्ञा सिह थाना जफराबाद जौनपुर, म0का0 सीमा गुप्ता थाना जफराबाद जौनपुर, म0का0 कृतिखरवार थाना जफराबाद जौनपुर।

जौनपुर में सड़क दुर्घटना में पेंटर मौत

धमार्पुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर-केराकत हाईवे पर गजना गांव के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक बाइक सवार पेंटर की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गजना गांव का गुड्डू गौतम बीती रात में अपने ससुराल चौकियां अली खान पुर से होकर अपनी बाइक से वापस घर लौट रहा था। रात के लगभग दस बजे जैसे ही बाइक सवार गुड्डू जौनपुर-केराकत हाईवे पर सेवईनाला पुलिया के पास पहुचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक अज्ञात तेज रफ्तार कार ने गुड्डू की बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार गुड्डू गौतम सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर फट गया। स्थानीय लोग जब तक दौड़ते तब तक उक्त कार चालक सभी तेज गति से फरार हो गए।

बेमौसम बारिशः तेज हवा के साथ हुई बारिश से खेतों में गिरी फसल

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के मानीकलां और आसपास के गांवों में बेमौसम बारिश और

तेज हवाओं ने धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। कटाई के लिए तैयार धान की फसल खेतों में गिर गई है, जिससे किसानों को बड़ा झटका लगा है।मौसम ने एक बार फिर करवट ली है, जिससे दीपावली के बाद भी बारिश का सिलसिला जारी है। यह बारिश ऐसे समय हुई है जब धान की फसल या तो कटने को तैयार थी या कट चुकी थी।जिन किसानों की धान की फसल अभी खेतों में खड़ी थी, वह तेज हवा और बारिश के कारण गिर गई है। इससे फसल की गुणवत्ता और उपज दोनों प्रभावित होंगी। वहीं, जिन किसानों ने फसल काट ली थी, उनकी कटी हुई धान भीगने से खराब हो गई है। बारिश के कारण खड़ी फसल में कीट लगने की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती पर निर्भर किसानों के लिए यह बेमौसम बारिश बड़ा आर्थिक नुकसान लेकर आई है, जिससे उनकी तीन महीने की मेहनत पर पानी फिर गया है।

भोजपुरी अभिनेता चन्दन सेठ को बधाई देने वालों का तांता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार के निवासी रियल हीरो की मिशाल पैदा करने वाले भोजपुरी अभिनेता/ समाजसेवी चन्दन सेठ ने बताया सुबह 5 बजे से ही मोबाइल फोन कॉल, व्याट्सअप, फेसबुक, इन्सटाग्राम, मैसेंजर पर लोगों ने बधाई देना शुरू किया जो काफी रात तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। श्री सेठ ने बताया सबसे पहले प्राचीन व ऐतिहासिक त्रिलोचन महादेव स्थित भगवान शिव का पूजा-अर्चना किया।और देश में सभी के खुशहाली के लिए कामना किया। उन्होने बताया एक दिन में इतना प्यार का बरसना अतुलनीय है।

चन्दन ने बताया जन्मदिन के शुभ दिन पर फिल्म इंडस्ट्री सहित उनके चाहने वालों ने बधाई दी है। चन्दन ने अपने जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं देने वाले सभी को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। चन्दन ने बताया उनका कई बड़े बजट की हिन्दी विडियो एलबम दर्द भरा गीत व लव सांग बैक टु बैक युट्युब चैनल पर बहुत जल्द दिखाई देगा। फोन कॉल, फेसबुक, इन्सटाग्राम, व्याट्सअप

पर बधाई देने वालों में विनय वर्मा विधायक शोहरतगढ़-सिद्धार्थनगर, फिल्म सुपर स्टार महानायक कुणाल सिंह, अरविन्द अकेला कल्लू, शुभम् तिवारी,मिस नार्थ जोन अकांक्षा वर्मा, रविराज दीपू, हास्य कलाकार संजय वर्मा, सीपी भट्ट, दिनेश सिंह पूर्व डीएम जौनपुर, राष्ट्रीय हिन्दु भगवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अंजना सिंह, मथुरा अपर नगर आयुक्त चन्द्र प्रकाश पाठक, बिट्टु किन्नर, एसपी सीटी फरूखाबाद डॉ.संजय कुमार, गीरेन्द्र सिंह सीओ मड़ियाँहु, अजय श्रीवास्तव एसीपी राजातालाब, पुलिस इंसपेक्टर आशुतोष तिवारी, शहर कोतवाल विश्वनाथ सिंह, एसएचओ राजीव मिश्रा, एसएचओ ओम नारायन सिंह, एसएचओ श्रीप्रकाश रॉय, एसएचओ मदन लाल, एसएचओ नरेंद्र सिंह, आचार्य प्रमोद शास्त्री, डॉ.रंगनाथ दुबे, इन्द्रभान सिंह इन्दु प्रदेश उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल, दिनेश टंडन पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष, अमर जौहरी स्वर्णकार समाज अध्यक्ष जौनपुर, अंतर राष्ट्रीय गायिका गीतांजली मौर्या, भावना सिंह, पारूल नंदा, शैली गगन पाश्वर्व गायिका अल्का झा, पूजा छाबड़ा, अंतर राष्ट्रीय भजन गायक रविन्द्र सिंह ज्योति, अवधेश पाठक, पंकज सिन्हा, सचिन सागर, फिल्म अभिनेत्री गुंजन पंत, अभिनेत्री आँचल सोनी, अभिनेत्री अंजना सिंह, अभिनेत्री ईला पाण्डेय, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुराग वर्मा, पवन गुप्ता पिन्टू, शिवचन्द यादव, सत्य नारायण सेठ स्वर्णकार संघ प्रदेश अध्यक्ष, जितेन्द्र सेठ स्वर्णकार समाज जिलाध्यक्ष वाराणसी, बबलू सेठ राष्ट्रीय अध्यय सोनार नरहरि सेना, बृजेश सिंह, पंकज सिंह, सुदर्शन मिश्रा, मयंक पटेल, रमेश सिंह समेत फिल्म इन्डस्ट्री व जिले के सम्मानित लोगों ने बधाई दिया।

वाराणसी में होटल टाउन हाउस में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस की छापेमारी में 2 रशियन युवतियां खिड़की से भागीं

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के कैंटोनमेंट क्षेत्र स्थित होटल टाउन हाउस में बुधवार दोपहर पुलिस ने छापेमारी कर एक सेक्स रैकेट का पदार्फाश किया। कार्रवाई के दौरान दो रशियन युवतियों ने खुद को कमरे में बंद कर लिया, लेकिन पुलिस के दरवाजा तोड़ने से पहले ही वे खिड़की से फरार हो गईं।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार भारतीय युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा, साथ ही एक होटल मैनेजर को हिरासत में लिया गया है। दूसरा मैनेजर मौके से पीछे के दरवाजे से भाग निकला। पुलिस फिलहाल फरार रशियन युवतियों की तलाश में जुटी है।

फ्रेंचाइजी होटल में चल रहा था रैकेटः जानकारी के अनुसार, वाराणसी निवासी पीयूष जायसवाल ने शहर में ड ड की चार फ्रेंचाइजी ले रखी हैं, जिनमें टाउन हाउस होटल भी शामिल है। होटल का संचालन उमेश यादव नामक व्यक्ति कर रहा था। पुलिस के पहुंचने पर उसे भनक लगते ही वह मौके से फरार हो गया।

होटल के अलग-अलग कमरों में की गई तलाशी में पुलिस को कई आपत्तिजनक वस्तुएं मिलीं। पकड़ी गई युवतियों ने पूछताछ में बताया कि होटल में दो रशियन महिलाएं भी ठहरी हुई हैं, जो इसी नेटवर्क से जुड़ी हैं।

खिड़की से गायब हुईं रशियन युवतियांः जब पुलिस उनके कमरे में पहुंची, तो रशियन युवतियों ने खुद को अंदर से बंद कर लिया। पुलिस ने काफी देर तक दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो दरवाजे का लॉक तोड़ा गया। अंदर पहुंचने पर कमरा खाली मिला और खिड़की खुली थी। पुलिस को शक है कि दोनों रशियन खिड़की के रास्ते भाग निकलीं।

प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले 2 महिला व 2 पुरुष आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना केराकत पुलिस टीम ने प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले 02 महिला व 02 पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक केराकत के नेतृत्व में थाना केराकत पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 316/25 धारा धारा 196(1) बीएनएस व 3/5(1) उ0प्र0 विधि विरूद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधि0 2021 थाना केराकत जनपद जौनपुर से गीता देवी पत्नी राम अवध, रंजना कुमारी पुत्री राम अवध, सोनू पुत्र लहरू राम, विजय कुमार पुत्र

हरिकंचन निवासीगण सरकी थाना केराकत जनपद जौनपुर को आज दिनांक 30.10.2025 को समय 7.15 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा आरोपीगण का चालान न्यायालय जौनपुर किया गया अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

बूंदाबांदी से किसानों के चेहरे पर खिंची चिंता की लकीरें

तेज बारिश से धान की फसल प्रभावित सुबह हुई बारिश से किसानों को नुकसान की आशंका

नौपेडवा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा क्षेत्र समेत में आज की सुबह गुरुवार चार बजे के करीब तेज हवा के साथ बारिश हुई। जिससे किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं।धान की पक्की फसल खेतों में खड़ी है कुछ किसानों की धान की फसल खेतों में कट कर पड़ी हुई। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। तेज बारिश की आशंका को लेकर किसान चिंतित हैं। इस सम्बन्ध में विकास खंड बक्शा के गांव बामी के किसान बहादुर यादव कहते हैं कि धान की रोपाई के समय सूखा पड़ा हुआ था लेकिन किसी तरह धान की रोपाई की गई। फिर कम ज्यादा बारिश से फसल तो सम्हलती गई लेकिन अब जब धान की फसल पककर तैयार है ऐसे में अगर बारिश होती है तो सारे किये धरे पर पानी फिर जायेगा। गांव सादनपुर के किसान

जितेन्द्र, कन्तू यादव कहते हैं कि बार बार बिजली कटौती के बीच पम्पिंग सेट से दिन रात एक करके सिंचाई करने पर किसी तरह फसल तैयार हुई है ऐसे में अगर बारिश होती है तो बहुत नुकसान होगा। गांव चितांव के किसान महेंद्र मिश्रा, हलचल यादव कहते हैं कि बारिश ज्यादा होने पर सरसों, आलू, चने की बुआई जो इस समय जारी है वह भी पिछड़ जायेगी। चटपटैला, विशेषरपुर और उतरीजपुर उमर उमरपुर सहित कई क्षेत्रों में हुई इस बारिश से कटाई के बाद खेतों में पडी धान की फसल की मडाई नहीं हो पाएगी है। और जो फसल तैयार हो चुका है इस तेज हवा के कारण फसल गिर जा रहा है इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक बारिश की संभावना जताई है साथ ही तेज हवाएं चलने और बादल छाए रहने की अनुमान है।

श्री श्री 108 बाबा छैल छबीलेदास नहीं रहे

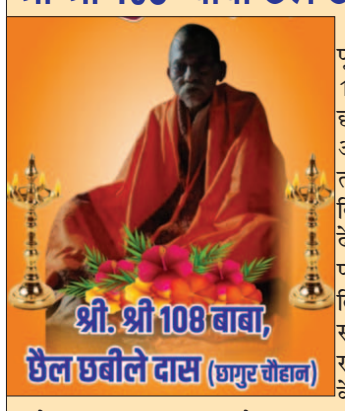

मुम्बई (उत्तरशक्ति) वडाला पूर्व शांति नगर निवासी श्री श्री 108 बाबा छैल छबीलेदास (छंगूर चौहान) का निधन 30 अक्टूबर 2025 को अपना प्राण त्याग कर देव लोक को प्रस्थान किया। वह उत्तर प्रदेश ,जनपद देवरिया के मूल निवासी थे। उनके पार्थिव शरीर का दर्शन करने के लिए वडाला स्थित शांति नगर श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर पर रखा गया था। वह लगभग 85 वर्ष के आयु में हम सबको छोड़कर चले गए उनका जाना समाज के लिए एक बड़ा छति है। एक सरल विचार , मिलनसार समाज में वर्चस्व रखने वाले हनुमान के पूजारी थे। छैल छबीलेदास का उनके पुत्र शत्रुघ्न चौहान ने वडाला श्मशान भूमि पर मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया। वे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उस समय कई भक्त गण तथा स्थानीय लोग उपस्थित थे। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, मां विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला, भाजपा नेता रत्नेश अग्रवाल, मोहन प्रजापति, अशोक पांडेय, डॉ हरिनारायण पाण्डेय, अधिवक्ता भाजपा नेता ओमप्रकाश पांडेय, वडाला पश्चिम समाज सेवी के के मिश्रा बच्चन, ने भी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। आगे कहा कि ईश्वर परिवार वालों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अंधेरी पूर्व मरोल नाका में चोरों का आतंक, ऑटो चालक की गाड़ी से सुबह-सुबह चोरी

-लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तर शक्ति)। समाचार अंधेरी पूर्व के मरोल नाका क्षेत्र के कृष्ण नगर में चोरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज सुबह लगभग 6:30 बजे शिवमंदिर के सामने खड़ी राम अवध यादव की ऑटो रिक्शा (टव्02 एद 5887) से अज्ञात चोरों ने हाथ साफ कर दिया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कृष्ण नगर में चोरी की घटनाएँ अब कोई नई बात नहीं रह गई हैं। कभी मोबाइल फोन, कभी चारपाइयाँ, तो कभी गाड़ियाँ—अब तो यह इलाका चोरों के लिए दहशत का अड्डा बन चुका है। लोगों का आरोप है कि सहारा पुलिस थाने की लापरवाही के कारण यह इलाका अपराधियों के लिए सुरक्षित जोन बन गया है। लगातार हो रही वारदातों के बावजूद पुलिस की सक्रियता न के बराबर दिखाई देती है। पीड़ित चालक ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और अपराधियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

उद्यान विभाग द्वारा किया गया रबी, प्याज बीज का वितरण

जनपद के दो सौ पचास कृषको में किया गया नि :शुल्क प्याज बीज का वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 मे मशाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत रबी प्याज बीज का वितरण कार्यक्रम का आयोजन 30 अक्टूबर 2025 को लोहिया पर्यावरणीय उद्यान पार्क जौनपुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू द्वारा कृषको को रबी प्याज बीज वितरण किया गया। जनपद के 21 विकासखंडो मे कुल लगभग 250 कृषको को निःशुल्क प्याज वितरण किया गया। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिह राणा ने इतने खराब मौसम मे इतनी बड़ी संख्या में कृषको की उपस्थित होने पर धन्यवाद दिया और उद्यान विभाग द्वारा जनपद मे चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की बारे मे विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद बृजेश सिह (प्रिन्सू) ने इतनी बड़ी संख्या में कृषको के उपस्थित होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या मे कृषको की उपस्थित यह प्रमाणित करती है कि हमारे कृषक कितने जागरूक हो चुके है। इन्होने प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए खेती के नवीन तकनीक अपनाने पर जोर देते हुए पर ड्राप मोर क्राप योजना की अनिवार्यता पर जोर दिया। मुख्य अतिथि ने कृषको को सम्बोधित करते हुए बताया कि पालीहाउस, शेडनेट हाउस, मशरूम यूनिट जैसे कार्यक्रमो से किसान अपनी आय मे गुणात्मक वृद्धि कर सकता है। अन्त मे जिला उद्यान अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित कृषको को खराब मौसम होने के बावजूद इतना समय देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किये।

मूसलाधार बारिश के कहर से धान की फसल बर्वाद, अन्नदाता चिंतित

बीजापुर, सोनभद्र (उत्तरशक्ति) । तीन दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के कहर से खेतों में तैयार धान की हजारों कुंतल फसल खेत मे ही बर्वाद हो गयी । इस आपदा रूपी बरसात से किसान चिंतित हो गए हैं। आसमानी आफत का आलम यह है कि जरहा के चेतवा में अन्नदाता राजेन्द्र सिंह बघेल गौरव सिंह बघेल के फार्महाउस पर सैकड़ों कुंतल तैयार धान की फसल पानी मे गिर कर बर्बाद हो रहा है। फार्महाउस के हवाले से मिली जानकारी पर गौरकरें तो लगभग 70 एकड़ खेत में लगाया गया धान काटने के लिए तैयार था लेकिन आसमानी आफत से खेत मे पानी भर गया। फली और डंठल खेत में लबालब पानी मे पसरा पड़ा है तीन दिन से पानी मे रहने के कारण फसल अंकुरित होने लगी है। इस आसमानी आफत से अन्नदाताओं के चेहरे पर तनाव और चिंता की लकीरें देखी जा रही है। किसान राजकुमार सिंह, रोहित सिंह, त्रिभुअन नारायण सिंह, रामजी, श्यामसुंदर जायसवाल, राहुल सिंह, अनन्तराम बैश्य, देवीशरण, पन्नालाल, मिश्रीलाल सहित सैकडों अन्नदाताओं ने बताया कि फसल तो अब बर्बाद हो गयी लगता है आगामी एक साल के लिए पशुओं का चारा की बड़ी समस्या दिखाई दे रही है। तमाम किसान रात दिन मेहनत कर के खेतों से पानी निकाशी मे लगे हुए हैं। क्षेत्रीय अन्नदाताओं ने जिला प्रशासन से तत्काल मौकाए जाँच करा कर आपदा राहत कोष से क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की माँग की है।

मीरा भायंदर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ जारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भाईंदर स्थित न्यू गोल्डन नेस्ट के परिसर में नवयुग चेतन फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ का श्री गणेश 26 अक्टूबर से हो चुका है । जो 2 नवंबर तक चलेगा। इस संस्था की कर्मनिष्ठ एवं युवा समाजसेवी अध्यक्षा श्रीमती सुमन अखिलेश पांडे की धर्मनिष्ठ और भक्तों की भारी भीड़ ने इस आयोजन को और भी सुंदर कर दिया है। कथा वाचक ब्रह्मऋषि बद्रीप्रसाद महाराज के पुनीत ज्ञान से भागवत प्रसार की गंगा में सभी भक्तजन गोते लगा रहे हैं। आयोजकों के सुनियोजित व्यवस्था के चलते यहां भारी भीड़ उमड़ रही है और सनातन धर्म के प्रसार में योगदान दे रही है। संस्था के संस्थापक अखिलेश इंद्र प्रसाद पांडे द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्यों ने तन मन लगाकर इसे सफल बनाने का बीड़ा उठाया है। रविवार 2 नवंबर को गायत्री परिवार द्वारा पांच कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया है। संस्था के सभी आयोजकों ने सभी भक्त जनों से इसमें सहभागी रहने की अपील जनमानस के बीच किया है। धर्म के प्रसार प्रचार के लिए आवश्यक ऐसे पुनीत कार्यों की आगे भी प्रशंसा होनी चाहिए और आयोजन होते रहने चाहिए। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा यज्ञ की अध्यक्षा सुमन अखिलेश पांडे, सचिव अर्पणा मिश्रा, कोषाध्यक्ष अनीता पांचाल अपने सभी पदाधिकारी के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए और सनातन का प्रचार प्रसार करने के लिए कटिबद्ध है। यह संस्था पहले भी रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन करके अपनी संस्था के उद्देश्य को सार्थक कर चुकी है।

पीएनबी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत किया रक्तदान शिविर का आयोजन

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, ने अखिल भारतीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया। प्रधान कार्यालय में यह शिविर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जो 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025 तक सतर्कताः हमारी साझा जिम्मेदारी₹ के विषय पर मनाया जा रहा है। इस पहल का नेतृत्व अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, पीएनबी डी. सुरेंद्रन,कार्यपालक निदेशक, और राघवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ने किया। सेवा और सत्यनिष्ठा की भावना को सुदृढ़ करते हुए, पूरे उत्साह और जोश के साथ बड़ी संख्या में कार्मिकों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। यह अपनी तरह की पहली पहल थी, जहाँ पूरे

भारत में एक साथ आयोजित 123 रक्तदान शिविरों से 3200 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र किया गया। अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, ने कहा, पीएनबी का रक्तदान शिविर यह दशार्ता है कि ईमानदारी किस प्रकार व्यवसायिक आचरण से परे जाकर करुणा के उन कार्यों तक विस्तार लेती है जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। रक्तदान करके, हमारे कार्मिकों ने यह प्रदर्शित किया है कि सतर्कता और सहानुभूति मिलकर एक अधिक जिम्मेदार और मानवीय संगठन का निर्माण करते हैं। राघवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ने कहा, ₹मानवता और ईमानदारी सुशासन के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। रक्तदान जीवन बचाता है और सेवा के प्रति निष्ठा दशार्ता है। हमारे लिए, सतर्कता में सच्ची करुणा और दृढ़ प्रतिबद्धता शामिल है।

जलाराम जयंती महोत्सव में शामिल हुए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। दान, सेवा और सत्य के प्रतीक संत जलाराम बापा की जयंती के अवसर पर बोरीवली (पश्चिम) में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। जलाराम बापा ने अपना संपूर्ण जीवन जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित किया और मानवता की राह दिखाई। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए बोरीवली (पश्चिम) स्थित लोकमान्य तिलक रोड पर जलाराम मंदिर में भव्य जलाराम जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने जलाराम बापा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की और मंदिर में दर्शन किए। गोपाल शेट्टी ने कहा कि जलाराम बापा ने निःस्वार्थ सेवा और मानवता की मिसाल पेश की है। उनका जीवन सिखाता है कि

बिना भेदभाव के दूसरों की सेवा करना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने उपस्थित भक्तों से संवाद स्थापित करते हुए जलाराम बापा के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। पूरे दिन भजन-संकीर्तन, सत्संग और प्रसाद वितरण का आयोजन चलता रहा। जलाराम बापा की जय के गगनभेदी जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। मंदिर को फूलों से सजाया गया था और श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर अपनी आस्था प्रकट की। भक्ति संगीत और कीर्तन से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस मौके पर बोरीवली के समाजसेवी अजयराज पुरोहित सहित अनेक प्रतिष्ठित मान्यवर, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। सभी ने मिलकर जलाराम बापा के उपदेशों को समाज में फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मंदिर ट्रस्ट और स्थानीय स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। महोत्सव का समापन सामूहिक आरती और महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया।

बेगूसराय में थिंक गैस और टाटा मोटर्स की साझेदारी, एलएनजी ट्रकिंग को मिलेगी रफ्तार

बेगूसराय(उत्तरशक्ति)। औद्योगिक और ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ते बेगूसराय में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थिंक गैस ने टाटा मोटर्स के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते का मकसद लंबी दूरी की हैवी ड्यूटी ट्रकिंग के लिए एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) रिफ्यूलिंग इकोसिस्टम को मजबूत बनाना है। थिंक गैस और टाटा मोटर्स मिलकर एलएनजी ढांचागत सुविधाओं का विस्तार करेंगे तथा संभावित माल ढुलाई गलियारों की पहचान करेंगे। कंपनी बेगूसराय स्थित प्रमुख औद्योगिक केंद्रों और लॉजिस्टिक हब को जोड़ते हुए एलसीएनजी स्टेशनों का नेटवर्क बढ़ा रही है। थिंक गैस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एलएनजी फ्यूल) श्री सोमिल गर्ग ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य पूरे भारत में स्वच्छ ईंधन को सुलभ और किफायती बनाना है। वहीं, टाटा मोटर्स के उपाध्यक्ष (ट्रक्स) श्री राजेश कौल ने कहा कि भारत में टिकाऊ और कुशल माल ढुलाई आंदोलन को गति देने में एलएनजी एक प्रभावी समाधान साबित होगा। वर्तमान में थिंक गैस 18 एलसीएनजी स्टेशनों का संचालन कर रही है और कई नए स्टेशन निर्माणाधीन हैं। टाटा मोटर्स वैकल्पिक ईंधन प्रौद्योगिकियों जैसे बैटरी इलेक्ट्रिक, सीएनजी, एलएनजी और हाइड्रोजन फ्यूल सेल में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

पीएमआई की भारतीय सहयोगी ने कॅरियर स्वामित्व और कोचिंग संस्कृति को मजबूत करने के लिए ग्रो टैलेंट ग्रो बिजनेस का विस्तार किया

मुंबई। फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल इंक. (पीएमआई) की भारतीय सहयोगी कंपनी, आईपीएम इंडिया, अपनी प्रमुख पहल, ग्रो टैलेंट ग्रो बिजनेस (जीटीजीबी) के विस्तार के साथ प्रतिभा विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को तेज किया है।यह कार्यक्रम दो शक्तिशाली साधनों पर आधारित हैः कॅरियर ओनरशिप ग्रोथ मॉडल, जो स्व-चालित कॅरियर योजना को सक्षम करने वाला एक चिंतनशील ढांचा है, और वी ऐस, एक डिजिटल कोचिंग प्लेटफॉर्म जो व्यक्तिगत विकास सहायता तक पहुंच कोलोक तांत्रिक बनाता है।यह कार्यक्रम कर्मचारियोंको अपनी कॅरियर की जिम्मेदारी लेने और व्यक्तिगत विकास को व्यवसायिक प्राथमिकता ओंके साथ जोड़ने में सक्षम बनाता है। इसके साथ ही, वी ऐस कोचिंग प्लेटफॉर्म वन-ऑन-वन और ग्रुप कोचिंग को बड़े पैमाने पर उपलब्ध करा कर सबके लिए विकासको सुलभ बनाता है। लचीले फॉर्मेट और खुली पहुंचके साथ, यह प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को उनकी तत्परता और आकांक्षाओं के आधार पर किसीके लिए भी कोच की भूमिका निभाने का अनूठा अवसर प्रदान करता है, जिससे सार्थक सहकर्मी-से-सहकर्मी विकास के लिए स्थान बनता है। नवनीलकर, मैनेजिंग डायरेक्टर, आईपीएम इंडिया ने कहा, वैश्विक बदलावों के साथ उद्योगोंका पुनर्गठन हो रहा है, निरंतर सीखना न केवल व्यक्तियों में निवेश है, बल्कि यह व्यवसाय को गति भी देता है। ऋ्रठ्रऋ्ऱ के माध्यम से, हम अपने लोगोंको उनकी वृद्धिकी जिम्मेदारी लेने और व्यवसायके लिए सार्थक प्रभाव डालते हुए अपनी उच्चतम क्षमता में योगदान देनेके लिए सशक्त बना रहे हैं।

ब्लाक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

रामगढ़, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकास खंड चतरा के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बृहस्पतिवार को शाहजादा साहब उदय प्रताप सिंह इंटर कालेज रामगढ़ पर भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पांडेय विशिष्ट अतिथि शाहजादा साहब उदय प्रताप सिंह इंटर कालेज के प्रबंधक कृष्ण प्रताप सिंह व खंड विकास अधिकारी चतरा रुपेश मंडल मौजूद रहे कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप जलाकर किया गया ' कार्यक्रम के संयोजक खंड शिक्षा अधिकारी चतरा अशोक कुमार सिंह ने

अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह बैज अलंकरण अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद भी महत्वपूर्ण है इससे बच्चों का शरीर स्वस्थ रहता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। इस दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाया इस खेलकूद प्रतियोगिता में विजयी बच्चे जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे कार्यक्रम में मुख्य रूप से गौरीशंकर सिंह, जुनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ अध्यक्ष जनार्दन त्रिपाठी, इंद्रदेव पांडे विनोद कुमार चौबे ,एआरपी संतोष देव पांडेय,राम नारायण पांडेय ,अनुपम दुबे ,सुजीत कुमार, आनंद देव पांडे ,रामदास जायसवाल, अजीत कुमार सिंह, दुर्गा शंकर मिश्रा,गिरीश द्विवेदी, मनोज कुमार, हेमेंद्र चतुवेर्दी,जय श्री विश्वकर्मा, सुमन शर्मा, सुरेंद्र कुमार सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाए मौजूद रहे।

जियो-बीपी ने बेंगलुरु में भारत का अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा एकीकृत मोबिलिटी हब लॉन्च किया

बेंगलुरु। जियो-बीपी ने आज देवनहल्ली, बेंगलुरु में भारत का पहला और सबसे बड़ा एकीकृत मोबिलिटी हब लॉन्च करने की घोषणा की, जिसमें एक ही रिटेल आउटलेट में 28 ईवी चार्जिंग पॉइंट्स शामिल हैं, जो देश में स्वच्छ और स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम है। देवनहल्ली आउटलेट एक मल्टी-फ्यूल रिटेल साइट है, जिसमें पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और वाइल्डबीन कैफे की सुविधा है। अब इसमें अत्याधुनिक ईवी चार्जिंग हब जोड़ा गया है, जिसमें 28 चार्जिंग पॉइंट्स हैं जो सुपरफास्ट डीसी चार्जर्स के माध्यम से 360 किलोवॉट तक की चार्जिंग क्षमता प्रदान करते हैं। यह फ्लैगशिप डेस्टिनेशन फ्यूल, सीएनजी, ईवी, रिटेल और कैफे अनुभव को एक छत के नीचे लाता है, जिससे ग्राहकों और यात्रियों के लिए सुविधा की

परिभाषा बदल जाती है। लॉन्च के अवसर पर जियो-बीपी के चेयरमैन सार्थक बेहुरिया ने कहा, देवनहल्ली मोबिलिटी स्टेशन भारत में एकीकृत मोबिलिटी के भविष्य के लिए हमारे विजन का प्रतिनिधित्व करता है। उन्नत ईवी चार्जिंग तकनीक को हमारे मौजूदा रिटेल इकोसिस्टम में शामिल करके, हम ग्राहकों के लिए पहुंच और सुविधा में सुधार कर रहे हैं और साथ ही भारत के लो-कार्बन ट्रांसपोर्ट की दिशा में परिवर्तन का समर्थन कर रहे हैं। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय विमानतल के पास स्थित यह हब बेंगलुरु और आसपास के क्षेत्रों में ईवी मालिकों और फ्लीट्स के लिए तेज और सुविधाजनक चार्जिंग की सुविधा प्रदान करता है, जिससे वे आराम से चार्ज कर सकें और आत्मविश्वास के साथ अपनी यात्रा जारी रख सकें। रणनीतिक रूप से केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय विमानतल के पास स्थित यह स्टेशन निजी और वाणिज्यिक दोनों प्रकार के ईवी उपयोगकताओं को सेवा प्रदान करता है, जो तेज और कुशल चार्जिंग सुनिश्चित करता है, साथ ही ईंधन भरने, खरीदारी और वाइल्डबीन कैफे जैसी सुविधाओं के माध्यम से आराम और परिचित अनुभव देता है। ग्राहक कॉफी का आनंद लेते हुए आराम कर सकते हैं, आवश्यक वस्तुएं खरीद सकते हैं या अपने वाहन की चार्जिंग के दौरान थोड़ी देर का विश्राम ले सकते हैं – जिससे रीफ्यूलिंग का समय सुविधा और ताजगी का पल बन जाता है।

ग्रेट गेहूँ महोत्सव के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए : श्याम सुंदर सिंह

गयाजी (उत्तरशक्ति)। देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे। पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था। इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, ह्लपिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने ग्रेट गेहूँ महोत्सवह्व के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें। बताते चलें कि, स्कीन में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के रिसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

MEIL एनर्जी ने नेवेली पावर प्लांट का अधिग्रहण किया, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा नया बल

मुंबई। भारत की अग्रणी अवसंरचना कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (MEIL) ने अपनी सहायक कंपनी MEIL एनर्जी के माध्यम से तमिलनाडु के नेवेली स्थित 250 मेगावॉट लिग्नाइट आधारित पावर प्लांट का अधिग्रहण किया है। यह प्लांट पहले अबू धाबी की TAQA कंपनी के अधीन था। इस अधिग्रहण से MEIL की बिजली उत्पादन क्षमता 5.2 गीगावॉट से अधिक हो गई है। कंपनी अब निर्माण के साथ-साथ ऊर्जा परिसंपत्तियों की मालिक और संचालक भी बन रही है।

CFO सलील कुमार मिश्रा ने कहा यह अधिग्रहण हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिससे हम ऊर्जा क्षेत्र में टिकाऊ और भरोसेमंद परियोजनाएं विकसित कर सकें। MEIL बिजली, तेल-गैस, सिंचाई, जल प्रबंधन और परिवहन जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय है। कंपनी का लक्ष्य है भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता और आर्थिक मजबूती को बढ़ावा देना।

देव दीपावली : क्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशी के भाव से नहाएंगे घाट, जगमगाएगी दिव्यता

-सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की मिट्टी में जब दीपों की लौ झिलमिलाती है, तो मानो गंगा स्वयं आरती गाने लगती हैं। तब काशी केवल एक शहर नहीं रहती—वह अध्यात्म, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अद्भुत संगम बन जाता है। इस वर्ष की देव दीपावली, जो ह्वक्लीन काशी, ग्रीन काशी, डिवाइन काशीह्न की थीम पर आयोजित की जा रही है, सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक आत्मा और सांस्कृतिक गौरव का सजीव प्रतीक बन गई है। खास यह है कि काशी के पर्यटन और स्थानीय व्यापार के लिए भी वरदान साबित होने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग ने घाटों से लेकर गलियों तक युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नमो घाट से लेकर अस्सी घाट तक स्मार्ट लाइटिंग, फ्लोरल डेकोरेशन, थीम-आधारित इंस्टॉलेशन, लेजर शो और ग्रीन आतिशबाजी के माध्यम से इस बार काशी पहले से भी अधिक भव्य और दिव्य नजर आएगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया, देव दीपावली काशी की सनातन परंपरा और लोक आस्था का वह उत्सव है, जहां हर दीप केवल ज्योति नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और राष्ट्रभाव का प्रतीक बनता है।

गंगा महोत्सव : भजन सम्राट हंसराज रघुवंशी का होगा गायन

1 से 4 नवंबर तक आयोजित गंगा महोत्सव में शास्त्रीय, लोक और आधुनिक संगीत की विधाओं का अद्भुत मिश्रण होगा। महोत्सव की तैयारियों के बाबत मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने पत्रकारों को बताया कि देव दीपावली से पूर्व 1 से 4 नवंबर तक आयोजित गंगा महोत्सव में देशभर के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी कला से गंगा आराधना को संगीत का स्वर देंगे। पहले दिन पं. माता प्रसाद मिश्र, विदुषी कमला शंकर, डॉ. ऋषि मिश्र, सुश्री कविता मोहंती जैसे कलाकार शास्त्रीय संगीत, कथक और ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगे। दूसरे दिन डॉ. ममता टंडन, गणेश प्रसाद मिश्र, श्रीमती शिवानी शुक्ला, पद्मश्री गीता चंदन आदि अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिरस में डुबो देंगे। तीसरे दिन पद्मश्री मालिनी अवस्थी की लोकगायन प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रहेगी, जबकि चौथे दिन भजन सम्राट हंसराज रघुवंशी अपने भजनों से वातावरण को भक्ति से भर देंगे।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक के बाद सभी विभागों को तैयारी के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। घाटों पर स्मार्ट लाइटिंग, फ्लोरल डेकोरेशन, लेजर शो, ग्रीन आतिशबाजी और सैंड आर्ट इंस्टॉलेशन से काशी को दिव्य स्वरूप देने की योजना है। चेत सिंह घाट पर प्रतिदिन तीन बार लेजर शो होगा, जबकि काशी विश्वनाथ धाम घाट पर ग्रीन फायरक्रैकर शो का आयोजन किया जाएगा। सुरक्षा और सुविधा के लिए हर घाट पर सीसीटीवी, ड्रोन निगरानी, प्राथमिक उपचार केंद्र, पेयजल, शौचालय और आपातकालीन नौका सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी। नाविकों को पंजीकृत टैग और निर्धारित रूट की जानकारी दी जा रही है।

देव दीपावली काशी का सबसे बड़ा पर्यटन आयोजन बन चुका है। इस बार अनुमान है कि 5 लाख से अधिक पर्यटक काशी पहुंचेंगे। होटलों, नावों और ट्रैवल बुकिंग में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। पर्यटन विभाग ने घाटों पर 10 लाख दीप जलाने का लक्ष्य रखा है जिनमें 7 लाख घाटों पर और 3 लाख गंगा पार रेत पर जलेंगे। इसके अलावा सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं 15 लाख दीप प्रज्वलित करेंगी। पर्यटन विभाग के अनुसार – हर पर्यटक औसतन ?5,000 तक खर्च करेगा। इस प्रकार एक दिन में 250 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्थानीय अर्थव्यवस्था में प्रवाहित होगी। देव दीपावली का नजारा देखने के लिए नावों की मांग चरम पर है। साधारण मोटर नावों की बुकिंग 25,000, 30,000 तक पहुंच गई है। लकनंदा क्रूज और रो-रो जहाजों पर प्रति व्यक्ति किराया 15,000 तक चला गया है।

एसडीओ, एसडीपीओ ने किया चुनाव सामग्री कोषांग का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज विधानसभा आम निर्वाचन, बिहार 2025 को सफल, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारियों के तहत अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी-सह- एसडीएम अनीता सिन्हा एवं एसडीपीओ अमन कुमार ने उपलब्ध चुनाव सामग्री व कोषांग का संयुक्त रूप निरीक्षण किया। पदाधिकारी द्वारा सहित प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के वरीया अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पोलिंग पार्टी किट, सील, टैग एवं अन्य निर्वाचन सामग्रियों के सुरक्षित भंडारण, लेबलिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं प्रवेश नियंत्रण प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की गई। एसडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विधानसभा-वार एवं सेक्टर वाईज टैगिंग सुनिश्चित हो तथा सामग्री निर्गमन के समय डबल वेरीफिकेशन सिस्टम लागू रहे, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न बचे। एसडीपीओ ने बताया कि कोषांग परिसर की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल की तैनाती, उउळश मॉनिटरिंग और दफ्ळ की हर समय उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। किसी भी अनधिकृत प्रवेश या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नियंत्रण कक्ष से सुरक्षा एवं सामग्री प्रबंधन की निगरानी रीयल-टाइम में की जा रही है तथा सभी अभिलेखों का डिजिटल रिकॉर्ड संधारित किया जा रहा है।

स्नेहा दुबे पंडित ने तरखाड़ ग्राम पंचायत भूस्वामियों को दिलाया न्याय

वसई रोड। वसई विधानसभा स्नेहा दुबे पंडित के क्षेत्र के तरखाड़ ग्राम पंचायत के भूस्वामियों को आखिरकार न्याय मिल गया है। गलत तरीके से हस्तांतरित भूमि के पट्टे को मूल स्वामियों के नाम पर बहाल करने के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के आदेश पर तुरंत अमल किया गया है। इस फैसले से ग्रामीणों के लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष का अंत हुआ है और उनके अधिकारों को न्याय मिला है। प्रशासनिक स्तर पर लिया गया यह फैसला पारदर्शी और निष्पक्ष शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह फैसला ग्राम स्तर पर सत्य, न्याय और स्थानीय स्वामित्व की जीत है।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मण्डल ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया है. वित्तीय वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के मुख्य बिन्दुओं में वित्तीय कार्यनिष्पादनः Q2FY26 के दौरान बैंक का निवल लाभ 4,249 करोड़ था. वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 26,650 करोड़ रुपये रही।

कारोबार में वृद्धिः बैंक के कुल कारोबार में वर्ष दर वर्ष 3.24% की वृद्धि हुई है, जिसमें सकल अग्रिमों में वर्ष दर वर्ष आधार पर 4.99% की वृद्धि हुई है और कुल जमाराशि में वर्ष दर वर्ष आधार पर 1.90% की वृद्धि हुई है. 30 सितंबर, 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 22,09,828 करोड़ है.

जमा में वृद्धिः वैश्विक जमाराशि में वर्ष दर वर्ष 1.90% की वृद्धि हुई है. 30 सितंबर, 2025 तक बैंक के पास कुल जमाराशि आधार 12,34,621 करोड़ है.

रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई (रैम) क्षेत्र में वृद्धिः बैंक के रैम क्षेत्र में वर्ष दर वर्ष आधार पर 8.14% की वृद्धि हुई है, जिसमें वर्ष दर वर्ष आधार पर रिटेल में 23.98% की वृद्धि और एमएसएमई अग्रिमों में 14.88% की वृद्धि हुई है. घरेलू अग्रिमों के प्रतिशत के रूप में, रैम अग्रिम 58.83% है.

एनपीए में कमीः 30.09.2025 को कुल एनपीए (%) वर्ष दर वर्ष आधार पर 107 बीपीएस की गिरावट के साथ 3.29% रहा तथा निवल एनपीए (%) वर्ष दर वर्ष आधार पर 43 बीपीएस की गिरावट के साथ 0.55% रहा है.

सशक्त पूंजी अनुपातः सीआरएआर 30.09.2025 को 17.07% रहा. सीईटी 1 अनुपात दिनांक 30.09.2024 के 13.88% के सापेक्ष 30.09.2025 को सुधार के साथ 14.37% रहा.

प्रतिलाभः वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान बैंक का आस्तियों एवं इक्विटी पर प्रतिलाभ क्रमशः 1.16% एवं 15.08% रहा.

वित्तीय समावेशन योजनाएंः सरकार समर्थित योजनाएं जैसे पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेडीवाई और एपीवाई के माध्यम से भारत सरकार द्वारा शुरू की गई वित्तीय समावेशन योजनाओं का उद्देश्य बाधाओं को समाप्त करना और समाज के निम्न आय वर्ग को आर्थिक मूल्य वाली वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है.

यह एक सरकार द्वारा समर्थित जीवन बीमा योजना है, जिसमें 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 5.12 लाख नए नामांकन किए गए हैं.

यह एक सरकार द्वारा समर्थित दुर्घटना बीमा योजना है, जिसमें 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 17.86 लाख नए नामांकन किए गए हैं. हमारे बैंक ने 30.09.2025 तक पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत 13,864 करोड़ की राशि के कुल 3.33 करोड़ खाते खोले हैं. 30.09.2024 तक 10,929 करोड़ की राशि के कुल 3.08 करोड़ खाते खोले गए थे.

एपीवाई एक पेंशन योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों पर लक्षित है तथा 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 2.70 लाख नए नामांकन किए गए हैं. वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान ? 724 करोड़ के 4,086 आवेदन मंजूर किए गए.

डस्टबिन वितरण में लापरवाही, ग्रामीण नाराज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सीवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड में 16 पंचायत है। दो-चार पंचायत को छोड़ कर के अन्य पंचायत में स्वच्छता मिशन के तहत मिले डस्टबिन के वितरण में भारी लापरवाही देखने को मिल रही है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में करीब दो चार महीने से सैकड़ों डस्टबिन लाया गया। लेकिन अब तक इन्हें ग्रामीणों के बीच सही सलामत वितरित नहीं किया गया है। जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मियों की उदासीनता के कारण ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय वार्ड सदस्यों का कहना है कि हर वार्ड में समान रूप से डस्टबिन बांटे जाने चाहिए ताकि स्वच्छता अभियान का लाभ सभी को मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोग केवल अपने घरों के आसपास डस्टबिन लगाने की मांग कर रहे हैं, जिससे पंचायत में विवाद और असमानता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। वहीं, ग्रामीण लोग पंचायत स्वच्छता पर्यवेक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पंचायत का सर्वे कार्य पूरा हो जाने के बावजूद सही सलामत दसवीं का वितरण नहीं हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी केवल बैठकों और औपचारिकताओं में व्यस्त हैं, जबकि गांवों में कचरा प्रबंधन की हालत बदतर हो चुकी है। प्रखंड स्वच्छता समन्वयक ने कहा कि विधानसभा चुनाव की व्यस्तता के कारण फिलहाल वितरण कार्य अस्थायी रूप से रोका गया है। चुनाव समाप्त होते ही डस्टबिन वितरण की प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी।

एसडीओ, एसडीपीओ ने किया चुनाव सामग्री कोषांग का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज विधानसभा आम निर्वाचन, बिहार 2025 को सफल, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की तैयारियों के तहत अनुमंडल निर्वाचन पदाधिकारी-सह- एसडीएम अनीता सिन्हा एवं एसडीपीओ अमन कुमार ने उपलब्ध चुनाव सामग्री व कोषांग का संयुक्त रूप निरीक्षण किया। पदाधिकारी द्वारा सहित प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के वरीया अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पोलिंग पार्टी किट, सील, टैग एवं अन्य निर्वाचन सामग्रियों के सुरक्षित भंडारण, लेबलिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं प्रवेश नियंत्रण प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की गई। एसडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विधानसभा-वार एवं सेक्टर वाईज टैगिंग सुनिश्चित हो तथा सामग्री निर्गमन के समय डबल वेरीफिकेशन सिस्टम लागू रहे, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न बचे। एसडीपीओ ने बताया कि कोषांग परिसर की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सभी प्रवेश द्वारों पर पुलिस बल की तैनाती, उउळश मॉनिटरिंग और दफ्ळ की हर समय उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। किसी भी अनधिकृत प्रवेश या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नियंत्रण कक्ष से सुरक्षा एवं सामग्री प्रबंधन की निगरानी रीयल-टाइम में की जा रही है तथा सभी अभिलेखों का डिजिटल रिकॉर्ड संधारित किया जा रहा है।

विस चुनाव में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रथम चरण में सीवान जिला के महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। 6 नवंबर को होने वाले मतदान को लेकर प्रत्याशी गांव-गांव और टोला-टोला पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क साधने में जुट गए हैं। हर पार्टी अपने उम्मीदवार के समर्थन में पूरी ताकत झोंक चुकी है। चुनावी माहौल में उत्साह, उम्मीद और रणनीति का संगम देखने को मिल रहा है। महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र में कुल 3 लाख 414 मतदाता हैं, जो इस बार चुनाव के परिणाम को तय करेंगे। इनमें 1,58,858 पुरुष और 1,41,555 महिला मतदाता और थर्ड जेंडरेक मतदाता शामिल हैं। यह आंकड़ा इस बात को दशार्ता है कि इस बार महिलाओं की भूमिका चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने में अहम होगी। महिलाओं की संख्या पुरुषों से करीब 17303 अधिक है, जो प्रत्याशियों के लिए निर्णायक वोट बैंक साबित हो सकता महिलाओं का वोट क्षेत्र का सबसे बड़ा वोटिंग समूह है। अनुमंडल प्रशासन ने सभी मतदाताओं के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की है, ताकि कोई भी मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे।

ग्रामीण इलाकों में नुक्कड़ सभाओं और जनसंवादों का दौर जारी है शहर महाराजगंज में विधानसभा का यह चुनाव इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यहां पर कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। एनडीए, महागठबंधन और जन तांत्रिक जनता दल सहित अन्य दलों के प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर प्रचार अभियान तेज कर चुके हैं। ग्रामीण इलाकों में नुक्कड़ सभाओं और जनसंवादों का दौर जारी है, जबकि शहरी इलाकों में सोशल मीडिया प्रचार और जनसंपर्क का नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार महिला और युवा मतदाता निर्णायक भूमिका में रहेंगे। विकास, रोजगार, शिक्षा और स्थानीय समस्याएं ही इस चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेंगी।

ब्रेथ केयर अस्पताल मनपा ने की कार्यवाई

उत्तम कुमार ने की थी रूपेश गुप्ता की मौत की जाँच की माँग

वसई। नगर निगम ने आनंदनगर स्थित ब्रेथ केयर अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई 27 वर्षीय युवक के इलाज में लापरवाही बरतने के कारण की गई है। नगर निगम के चिकित्सा विभाग ने जिला शल्य चिकित्सक की रिपोर्ट के बाद ये सख्त कदम उठाए हैं। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ के संयोजक उत्तम कुमार ने भी इस मामले की सक्रियता से जाँच की। 18 मार्च, 2024 को मधुवन क्षेत्र निवासी रूपेश गुप्ता को सर्दी, खांसी और बुखार के कारण आनंदनगर स्थित डॉ. धर्मेंद्र दुबे के ब्रेथ केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालाँकि, अगले दिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद, जिला शल्य चिकित्सक ने तुरंत जाँच शुरू की। चिकित्सा रिकॉर्ड, विशेषज्ञ डॉक्टरों की राय और मृतक के परिवार के बयानों के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट के आधार पर, मानिकपुर पुलिस ने 14 जनवरी, 2025 को डॉ. धर्मेंद्र दुबे के खिलाफ मामला दर्ज किया। जाँच में पता चला कि डॉ. दुबे ने स्वयं मृतक मरीज की जाँच नहीं की थी। आईसीयू में एक एमबीबीएस डॉक्टर का होना अनिवार्य है और वहाँ केवल बीएमएस डॉक्टर अवधेश यादव मौजूद थे, जो महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत भी नहीं थे। दूसरे डॉक्टर, रितेश विश्वकर्मा, एक इंटर्न थे। जाँच में कहा गया है कि इतनी गंभीर चिकित्सीय त्रुटि के कारण मरीज की जान चली गई। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा नेता उत्तम कुमार ने कहा, रूपेश गुप्ता की मृत्यु केवल एक चिकित्सीय त्रुटि नहीं, बल्कि एक लापरवाह व्यवस्था का परिणाम है। वसई-विरार क्षेत्र के सभी निजी अस्पतालों का तुरंत निरीक्षण किया जाना चाहिए। लाइसेंस होने के बावजूद, कई जगहों पर उचित डॉक्टर नहीं हैं और उपकरण अपर्याप्त हैं। नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

मामले में गंभीर खामियों के बाद, वसई-विरार नगर निगम ने अंततः ब्रीथ केयर अस्पताल में नए मरीजों के पंजीकरण बंद करने का आदेश देते हुए अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया है। स्वास्थ्य उपनिदेशक ने मामले की गहन जाँच के लिए एक समिति गठित की है और वसई क्षेत्र के अन्य अस्पतालों का भी निरीक्षण किए जाने की संभावना है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और मांग की है कि रूपेश जैसे निर्दोष नागरिकों की जान जाने से पहले प्रशासन जागे।

स्नेहा दुबे पंडित ने श्री जलाराम बापा की 226 वी जयंती पर आशीर्वाद लीया

वसई। वसई पश्चिम ,पार नाका, कांग्रेस भवन, स्टेट बैंक के ऊपर, वसई गाँव/2) के.टी. वाडी, वसई पश्चिम मे श्री जलाराम बापा की 226वीं जयंती के अवसर पर, पार नाका वसई गाँव में वसई लोहाना महाजन और के.टी. वाडी, वसई पश्चिम में सूर्यवंशी सामाजिक संस्था द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर उपस्थित होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ। ईश्वर करे कि आस्था, सेवा, दया और मानवता का संदेश देने वाले श्री जलाराम बापा के कार्यों से समाज में एकता और सद्भावना का दीप सदैव जलता रहे। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ, वसई लोहाना महाजन हेमांग ठक्कर, कौशिक बुद्धदेव, मनीष रजनी, मयंक ठक्कर, भाजपा वसई-विरार शहर जिला सचिव नंदकुमार महाजन, मंडल महामंत्री संतोष काकड़, चेतन वार्शिकर के साथ-साथ केटी वाडी वसई पश्चिम के भावेश जोबनपुत्र, श्रीमती हर्षा जोबनपुत्र, श्रीमती पद्मा देसाई, श्रीमती बीना देवला, बिपिन पोपट, मनोज शर्मा, मनोज गुप्ता, छोटू आनंद, रायबा मोरे और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी ने श्री जलाराम बापा के मानवता के आदर्शों और शिक्षाओं को बनाए रखने और समाज सेवा एवं सद्भावना के मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

डॉ सावरा की उपस्थिति में विक्रमगढ़ में भाजपा में प्रवेश

वसई। विक्रमगढ़ तालुका में जिला परिषद समूह दादे के अंतर्गत पंचायत समिति गण दादे के डोलहारी बुद्रुक गाँव के ग्राम पंचायत सदस्य नीलेश कचरा, साथ ही सावरपाड़ा पेसा अध्यक्ष उमेश मालवकर और युवा कार्यकर्ताओं ने आज सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में विश्वास रखते हुए पार्टी में प्रवेश किया। इस अवसर पर पालघर खासदर डॉक्टर हेमंत सांवरा के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता बाबाजी कथोले सर, पालघर जिला परिषद के कृषि अध्यक्ष संदीप पावड़े, विक्रमगढ़ मंडल अध्यक्ष रवींद्र भडंगे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी परिवार में सशक्त नेतृत्व में विश्वास रखने वाले सभी नए कार्यकताओं का हार्दिक स्वागत है।

दरौंदा थाना के दरोगा को अपराधियों ने गाला रेत कर चंवर में की हत्या

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत दारौंदा थाना क्षेत्र सिरसांव गांव के चंवर में दारौंदा के एसआई अनिरुद्ध कुमार को अपराधियों ने बीती रात्रि संयंत्र के तहत गला रेत कर हत्या कर दी । घटना की सूचना पाकर दारौंदा के थाना पुलिस व सिवान के एसपी मनोज कुमार तिवारी घटना स्थल पहुंच कर मामले का जायजा लिया। दारौंदा की पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीवान सदर अस्पताल भेज दिया, एसपी श्री तिवारी ने बताया घटना की जानकारी सभी बिंदुओं से की जाएगी। किसी कीमत पर अपराधियों को बक्सा नहीं जाएगा। अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है। अविलंब गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

मुंबई मंत्रालय में मुख्य सचिव के साथ बैठक में शामील हुए डॉक्टर सावरा

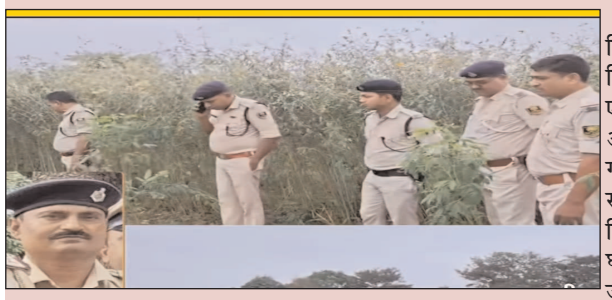

मुंबई। मंत्रालय, मुबई महाराष्ट्र मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मंत्रालय, मुंबई में अनुसूचित (पेसा) क्षेत्र में भर्ती और विकास के अवसरों के संबंध में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल, साथ ही सभी आदिवासी विधायक और सांसद उपस्थित थे। इस बैठक में पेसा क्षेत्र के विभिन्न प्रशासनिक और सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पेसा क्षेत्र में युवाओं की प्रगति के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही, यह दोहराया गया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय, चारों क्षेत्रों में पेसा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस बैठक में हुई चर्चाओं ने पेसा क्षेत्र में युवाओं के लिए न्याय, अवसर और विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है। सरकार के इन निर्णयों से आदिवासी समुदाय को आत्मनिर्भरता, सम्मान और स्थायित्व का एक नया अध्याय मिलेगा।

अशिवनी भिलारे ने ऑल इंडिया पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में पंचक सिल्ट खेल श्रेणी में कांस्य पदक जीता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर से 10 वीं अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर 2025 का आयोजन 8 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2025 तक जम्मू-कश्मीर में किया गया। इस क्लस्टर प्रतियोगिता में पंचक सिल्ट खेल की टीम श्रेणी (रेगु) में मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अशिवनी भिलारे ने कांस्य पदक जीता। जून 2025 में घाटकोपर, मुंबई में आयोजित चयन परीक्षा में अशिवनी भिलारे का चयन जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर 2025 प्रतियोगिता के लिए हुआ। इसके बाद, उन्हें पुलिस मुख्यालय, नासिक ग्रामीण में प्रशिक्षण शिविर में शामिल किया गया। निकेत कौशिक, पुलिस आयुक्त, दत्तात्रय शिंदे, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अशोक विरकर, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), तानाजी बर्डे, सहायक पुलिस आयुक्त (मुख्यालय), ने अशिवनी भिलारे को बधाई दी और पुउनि मालोडे, पोहवा संदीप यादव से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

गौ माता की पूजा करने से जीवन में खुशहाली आती है : नरेंद्र मेहता

भायंदर। गौ माता की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है। कार्यों की बाधाएं दूर होती हैं और मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्री सप्तेश्वर सालासर हनुमान मंदिर द्वारा गोपाष्टमी के अवसर पर श्री गिरीराज गौसाला में हवन पूजन करने के बाद विधायक नरेंद्र मेहता ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि गाय का महत्व धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक तीनों ही तरह से है। हिंदू धर्म में इसे माता के समान पूजनीय माना जाता है, जो पोषण, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक है। इस अवसर पर पूर्व सभापति नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, जिला सचिव रमेश चंद्र मिश्रा, तारकेश्वर मिश्रा, राधेश्याम मिश्रा, संदीप तिवारी, हरिप्रसाद पाठक, राजकुमार मिश्र, रामानुज शुक्ल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

आर.आर. यादव का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

मुंबई। मुंबई पोर्ट प्राधिकरण में सहायक कार्यालय अधीक्षक पद पर कार्यरत रमेश रामबदन यादव (आर. आर. यादव) का 38 वर्षों की सेवा के पश्चात सेवानिवृत्ति का भव्य समारोह प्रशासनिक एम. पी.,रननवरे की अध्यक्षता आयोजित में किया गया। इस अवसर पर आर.आर. यादव की जीवन संगिनी श्रीमती उर्मिला यादव सहित परिवार के लोग उपस्थित थे।

समारोह में वरिष्ठ श्रमिक नेता श्रीराम यादव, अधीक्षक प्रेरणा दलवी, अधीक्षक राकेश त्रिपाठी, सहायक प्रशासकीय अधिकारी सी.जी. केवट, पी.एम. भोंडे, एस. आर. व्हनमाने,आर. ए. वर्मा, बी. टी. वलीप, वरिष्ठ समाजसेवी मंगला शुक्ला, हन्मन्ता घाडगे, आनंदा धोडें, रईस खान, एस. पी.कोडग, दिनेश सिंह, चंदू राऊत, शंभू जाधव, तानाजी माने, एम. एन. बर्गे, राम जगराम, शिवनराम, तानाजी चाहेर, बालू जगदाले, जे.एन.यादव, वरिष्ठ समाजसेवी मंगला शुक्ला, मदनलाल मौर्य, प्रिंसिपल एवं शिक्षक सेना मुंबई उपाध्यक्ष मनीराम यादव, सामाजिक चिंतक चंद्रवीर बंशीधर यादव, शैलेंद्र देवराज यादव, समाजसेवी शिवराम (बब्लू) जगदेव यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, सुरेश यादव मौजूद रहे।